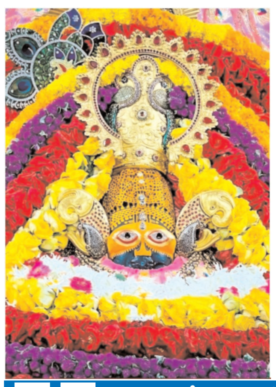

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:12। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 08 सितंबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

कश्मीर के बाद अब उत्तराखंड में बर्फबारी

•यूपी के बरेली में फायर स्टेशन में पानी भरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच गया।

पश्चिम बंगाल में 9 सितंबर तक भारी बारिश

पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में 9 सितंबर तक भारी

बारिश और गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, इसकी वजह सक्रिय मानसून और उत्तर प्रदेश से पूर्व की ओर बढ़ रहा कम दबाव का क्षेत्र है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के ज्यादातर हिस्सों में गरज-चमक के साथ 40 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। यूपी के 58 जिलों में आज सोमवार को बारिश का अलर्ट है। इनमें 6 जिलों में बहुत भारी तो 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 54 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा 90 मिमी बारिश बिजनौर में दर्ज की गई।

बिहार में बाढ़ से हाहाकार, 12 जिलों में 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित; गंगा ने तोड़ा रिकॉर्ड

पटना। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 12 जिलों के 22.42 लाख से अधिक लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। पटना में गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर को पार कर गया है, जबकि केंद्रीय जल आयोग ने कई इलाकों में अत्यधिक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। बिहार में लगातार बढ़ते जलस्तर ने कई जिलों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पटना, सारण, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया और कटिहार समेत कई क्षेत्रों में गांव और निचले इलाके जलमग्न हैं। राज्य के 12 जिलों के 70 प्रखंडों और 368 पंचायतों की करीब 22.42 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।

जितेंद्र मिश्रा के नाम पर फर्जी वीडियो वायरल

सीजेपी कांग्रेस से जुड़े अकाउंट्स पर उठे सवाल; पाकिस्तानी हैंडल से शुरू हुआ मामला

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ और पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल किया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कथित तौर पर नशे की हालत में पार्टी करता नजर आ रहा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति जितेंद्र मिश्रा नहीं है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इसे उनके नाम से शेयर किए जाने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर सामने आई जानकारी के अनुसार, यह वीडियो सबसे पहले 3 सितंबर को पाकिस्तान के एक फेसबुक पेज से शेयर किया गया था।

इसके बाद 6 सितंबर को कांग्रेस मीडिया कोऑर्डिनेटर रश्मि के अकाउंट से कथित तौर पर वीडियो डाउनलोड कर एक्स पर पोस्ट किया गया। इसके बाद CJP समर्थक एक अन्य हैंडल ने भी इसे शेयर किया। मामला उस समय ज्यादा चर्चा में आ गया, जब CJP संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया। उन्होंने पोस्ट में व्यक्ति की निजी जिंदगी को उसका व्यक्तिगत मामला बताते हुए धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर सवाल उठाने की कोशिश की।

वीडियो की सत्यता पर सवाल उठने के बाद अभिजीत दीपके भी विवाद के केंद्र में आ गए। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि अब उन्हें जानकारी मिली है कि वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति जितेंद्र मिश्रा नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति की निजी जिंदगी पर टिप्पणी करना नहीं, बल्कि कथित दोहरे मापदंड यानी 'हिपोक्रेसी' को सामने रखना था। उनकी सफाई के बाद भी यह सवाल उठ रहा है कि वीडियो की वास्तविक पहचान और सत्यता की पुष्टि किए बिना इसे सोशल मीडिया पर क्यों साझा किया गया। खास तौर पर तब, जब इसकी शुरुआती पोस्ट के पाकिस्तान से जुड़े होने का दावा किया जा रहा है।

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा: आरोपी पीजी संचालक पत्नी और बेटे के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पीजी संचालक हरिराम गुप्ता, उनकी पत्नी उर्मिला गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि शुरुआती जानकारी के विपरीत केवल कागजी मालिकाना हक ही नहीं, बल्कि पीजी के संचालन में भी परिवार की सक्रिय भूमिका थी। हरिराम गुप्ता और उनके बेटे महेश गुप्ता द्वारा पीजी का संचालन किया जाता था। वहीं, भवन के दस्तावेजों में मालिक के तौर पर उर्मिला गुप्ता का नाम दर्ज है। जांच अधिकारियों के मुताबिक हादसे के बाद तीनों आरोपी गुरुग्राम स्थित अपने घर से फरार हो गए थे।

हादसे के बाद एमसीडी के 5 अधिकारी सस्पेंड

इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर भी बड़ा एक्शन हुआ है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम के साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर समेत पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। इनमें डिप्टी कमिश्नर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्यों का जायजा लिया। दिल्ली के मंत्री सतीश खुराना ने कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने अधिकारियों को पीजी के तौर पर इस्तेमाल हो रही इमारतों और बिना मंजूरी के अतिरिक्त मंजिल बनाए जाने जैसी संभावित अनियमितताओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदार: सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती

नई दिल्ली। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी (MCD), दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी (NHRC) और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

राहुल बोले- कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को X पर लिखा कि हर बार BJP सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न - हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाजी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल में ये सरकार दुनिया भर की बातें कर के आपको गोल-गोल घुमाती रही, लेकिन मुद्दे की बात नहीं की।

मुख्यमंत्री शुभेंदु का फैसला: दुर्गा पूजा में अष्टमी के दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

डीजे-विसर्जन को लेकर भी नए नियम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर राज्य सरकार ने कई अहम फैसले किए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि महाअष्टमी के दिन पूरे राज्य में शराब की दुकानें और बार बंद रहेंगे। इसके साथ ही दुर्गा पूजा और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे बजाने पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। मुख्यमंत्री ने दुर्गा पूजा समितियों से त्योहार की पारंपरिक और धार्मिक भावना का ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा की मूर्तियों, पंडालों और थीम से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

दुर्गा पूजा में छ्छ्ध बजाने पर भी लगी रोक

सरकार ने दुर्गा पूजा समारोह और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे संगीत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार के दौरान अनुशासन बनाए रखना और दुर्गा पूजा के पारंपरिक स्वरूप को सुरक्षित रखना जरूरी है। थीम आधारित पूजा की अनुमति रहेगी, लेकिन पूजा समितियों को थीम चुनते समय सावधानी बरतनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूर्ति, पंडाल और थीम ऐसी नहीं होनी चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों या सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचे। सरकार ने पूजा से जुड़े आयोजनों के लिए सड़कों के इस्तेमाल पर भी कुछ पाबंदियां लगाई हैं। किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग को पूजा आयोजन के लिए बंद नहीं किया जा सकेगा।

पंजाब में किसानों का धरना खत्म

सरकार ने मान ली सभी मांगें, मिला लिखित आश्वासन

एजेंसी

चंडीगढ़-मोहाली। पंजाब में चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर चल रहा किसानों का धरना सोमवार को तब खत्म हो गया जब पंजाब सरकार की ओर से किसानों को लिखित आश्वासन दिया गया। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) की अलग-अलग यूनियनों से जुड़े किसान इस प्रदर्शन में शामिल हुए थे और यह धरना 1 सितंबर से शुरू हुआ था। 7 सितंबर 2026 को सरकार के लिखित आश्वासन के बाद किसान अपने घर लौटना शुरू हो गए। सरकार ने किसानों की जिन मांगों को मान लिया है उनमें सबसे प्रमुख मांग है कि सरकार एक महीने के अंदर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी जिसमें राज्य के नदी के पानी, खेती और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

सरकार ने मान ली किसानों की मांगें

किसानों को दिए गए आश्वासन में सरकार मौजूदा जल समझौतों की समीक्षा करने और नदी के पानी के बंटवारे से जुड़े पंजाब रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट के प्रावधानों के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव लाने पर भी सहमत हुई है। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां के साथ हुई बैठक में किसान नेताओं और सरकार के बीच ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई थी। बैठक में बलबीर सिंह राजेवाल, बूटा सिंह बुर्जगिल, हरिंदर सिंह लखोवाल, प्रेम सिंह भंगू और रमिंदर पटियाला समेत कई किसान नेता शामिल हुए।

लिखित आश्वासन के बाद खत्म हुआ धरना

प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं ने अपना धरना खत्म करने का ऐलान किया। हालांकि किसानों ने इससे पहले सरकार से लिखित आश्वासन मांगा था जो कि मिल भी गया। लिखित आश्वासन मिलने के बाद जगतपुरा गांव के पास प्रदर्शन समाप्त करने का ऐलान किया गया।

पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम, रेजीनगर समेत इन राज्यों की सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी है। साथ ही आयोग ने असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा की है। इन सीटों पर मौजूदा विधायकों व एक सांसद ने इस्तीफा दिया था।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इन सभी सीटों पर चुनाव एक ही दिन 6 अक्टूबर 2026 होंगे, जबकि वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। नामांकन भरने की तारीख 16 सितंबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी। वहीं 19 सितंबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे।

किन-किन सीटों पर हो रहे उपचुनाव?

चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, तमिलनाडु की मदुरंतकम और धरमपुरम सीट पर उपचुनाव होने हैं। मदुरंतकम सीट एआईएडीएमके की विधायक

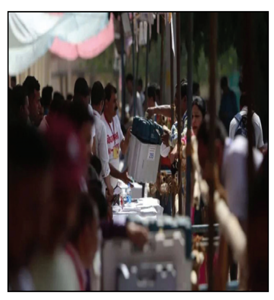

मरगथम कुमारवेल की इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी। धारापुरम सीट भी एआईएडीएमके की विधायक पी सत्याभामा के इस्तीफे पर खाली हुई थी। दोनों नेताओं ने टीवीके का दामन थाम लिया था।

इंदौर को पछाड़ लखनऊ ने मारी बाजी

स्वच्छ हवा की नई रैंकिंग जारी

एजेंसी

चंडीगढ़-मोहाली। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने वायु प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण और हवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों के चलते केंद्र सरकार के 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026' में एक लाख से अधिक नहीं, बल्कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है। देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा रखने वाला इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा। केंद्र सरकार की ओर से सोमवार को नई दिल्ली में जारी किए गए सर्वेक्षण के परिणामों में शहरों को उनकी आबादी के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर वायु प्रदूषण कम करने के लिए किए गए प्रयासों का आकलन किया गया। लखनऊ ने वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई स्तरों पर काम किया। इनमें कचरा संग्रहण के बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करना, सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनों का इस्तेमाल और पुराने कचरे (लीगेसी वेस्ट) का वैज्ञानिक प्रबंधन प्रमुख हैं। हालांकि, सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल करने के बावजूद लखनऊ अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित वार्षिक PM10 मानक 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर को पूरा नहीं कर पाया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के पोर्टल के अनुसार, शहर में वार्षिक PM10 स्तर 2017-18 में 250 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो घटकर अब 137 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया है।

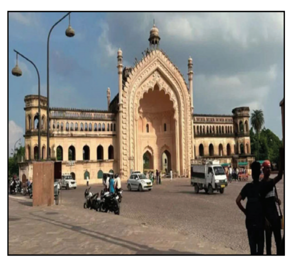

इंदौर और जबलपुर भी शीर्ष तीन में

पिछले वर्ष मिलियन-प्लस शहरों की श्रेणी में पहले स्थान पर रहने वाला इंदौर इस बार दूसरे स्थान पर रहा। जबलपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। जबलपुर में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, 100 प्रतिशत कचरा संग्रहण और वैज्ञानिक निस्तारण, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने जैसे प्रयासों को प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया गया। पिछले साल इंदौर पहले, जबलपुर दूसरे और आगरा तथा सूरत संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे थे।

'क्या मेरे रिटायरमेंट का इंतजार है?'

अरावली मामले पर सीजेआई सख्त, विशेषज्ञ समिति को नहीं दी 6 महीने की मोहलत

एजेंसी

लखनऊ। अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा और संरक्षण पर काम कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की छह महीने का अतिरिक्त समय देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने समिति को अंतिम रिपोर्ट 30 नवंबर तक जमा करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने साफ किया कि समिति को अब और समय नहीं दिया जाएगा। समिति की पिछली समयसीमा 31 अगस्त को खत्म हो चुकी थी।

समिति ने 28 फरवरी 2027 तक समय मांगा था। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, 'समिति ने मूल रूप से मेरी सेवानिवृत्ति तक मामले को स्थगित करने की मांग की है।'

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिए दिन-रात काम करने के निर्देश?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर समिति तय समय में अपना काम पूरा नहीं कर पाती है तो वह समिति के पुनर्गठन पर विचार कर सकता है। पीठ ने समिति को 30 नवंबर तक काम पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर उसे 'दिन-रात काम' करना चाहिए।अदालत ने यह भी कहा कि अंतिम निष्कर्ष तय करने से पहले समिति को प्रभावी सलाह-मशविरा करना होगा। उसे राजस्थान और गुजरात के आदिवासी समुदायों समेत सभी संबंधित पक्षों की बात सुनने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने समिति को जरूरत पड़ने पर मुद्दे से जुड़े अंतरिम रिपोर्ट भी उसके सामने रखने की अनुमति दी है। इससे अरावली से जुड़े जरूरी मामलों पर पूरी प्रक्रिया खत्म होने का इंतजार किए बिना अदालत विचार कर सकेगी।

15 अगस्त 2047 तक भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र होगा : शाह

'गोवा पुलिस को सम्मानित 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' प्रदान करना मेरे लिए भी बहुत गर्व की बात है'

एजेंसी

बंबोलिम (गोवा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में गोवा पुलिस को 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' सौंपने के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गोवा पुलिस को सम्मानित 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' प्रदान करना मेरे लिए भी बहुत गर्व की बात है, क्योंकि आज आठ दशकों की गौरवशाली गोवा पुलिस सेवा और सम्मान के

साथ राष्ट्रपति के दिए हुए निशान के साथ देशभर की पुलिस की कतार में खड़ी है। ये हम सबके लिए बहुत गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि ये गौरव जिन-जिन राज्यों की पुलिस को मिला है, पुलिस के उस गौरवशाली इतिहास, पेशेवर उत्कृष्ठता, साहस और अनुशासन और समर्पण के कारण ही राष्ट्रपति ने गोवा को 'प्रेसिडेंट्स कलर्स' से सम्मानित करने का काम किया है। गोवा छोटा परंतु बहुत महत्वपूर्ण राज्य है और गोवा की पुलिस को सुरक्षित शहर, सुरक्षित समुदाय और सुरक्षित समुद्री सीमाएं ये तीनों दायित्व गोवा राज्य की रचना के साथ ही प्राप्त हुए हैं। गोवा राज्य की रचना के बाद गोवा पुलिस ने अपने दायित्व को भली-भांति निभाया है। विकसित राष्ट्र की यह पहली शर्त होती है कि राष्ट्र की आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाए। गोवा पुलिस को आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा करने का गौरव मिला है। गोवा की लंबी समुद्री सीमा की सुरक्षा भी गोवा पुलिस के कंधे पर है।

लाठियां लेकर पहुंचे, यात्रियों को बीच रास्ते में उतारा; भारी पुलिस बल तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर आज यात्रियों के लिए मुसीबत का मैदान बन गया। ओला, उबर और रैपिडो जैसी ऐप-आधारित टैक्सी और बाइक-टैक्सी सेवाओं के विरोध में शहर के करीब 3.70 लाख रिक्शा और टैक्सी चालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। हालांकि, यह विरोध प्रदर्शन अब सिर्फ प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रिक्शा चालकों की सीधी दबंगई और उपद्रव में बदल चुका है। सुबह से ही शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे कालूपुर रेलवे स्टेशन, गीता मंदिर बस स्टैंड, आश्रम रोड, एस.जी. हाईवे और सरखेज में विरोध कर रहे रिक्शा चालकों की मनमानी चरम पर पहुंच गई। बीच रास्ते उतारा: जो यात्री या कर्मचारी किसी निजी या इमरजेंसी काम के लिए रिक्शा से जा रहे थे, उन्हें हड़ताली चालकों ने जबरन रोक लिया। धमकियां और लाठियां: हाथों में लाठियां और डंडे लेकर पहुंचे यूनियन चालकों ने चलती गाड़ियों को रोका, चाबियां छीन लीं और छोटे बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्ग यात्रियों को सड़क के बीचों-बीच उतरने पर मजबूर कर दिया। खौफ का माहौल: रास्ते में रोककर धमकियां देने के वीडियो और नजारे सामने आते ही आम नागरिकों और यात्रियों में दहशत फैल गई।

पॉइंट एनालिसिस: हड़ताल और विवाद की मुख्य वजह

मुख्य विरोध: ओला, उबर और खासकर रैपिडो (बाइक टैक्सी) के अवैध संचालन के खिलाफ।

चालकों का आरोप: ऐप-आधारित कंपनियां सस्ते किराए और बाइक-टैक्सी चलाकर स्थानीय रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी छीन रही हैं।

प्रभावित वाहन: अहमदाबाद शहर और आसपास के 3.70 लाख से अधिक रिक्शा और टैक्सी।

जनता की परेशानी: दफ्तर जाने वाले लोग, अस्पताल के मरीज और रेलवे/बस स्टेशन पहुंचे यात्री भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अहमदाबाद पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई है। शहर के सभी मुख्य चौराहों और संवेदनशील इलाकों में कड़ा पुलिस बंदोबस्त तैनात कर दिया गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए क्विक रिस्पांस टीम और स्थानीय पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। सख्त चेतावनी: पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि कानून हाथ में लेने वाले, यात्रियों को परेशान करने वाले या तोड़फोड़ करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डभोई-शिथोर चौकड़ी पर भयानक हादसा: खड़ी लग्जरी बस के पीछे कार की जोरदार टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई-शिथोर चौकड़ी के पास आज एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। करनाली तीर्थधाम के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की एक निजी लग्जरी बस और तेज रफ्तार कार के बीच हुए भीषण हादसे में कार सवार दंपत्ति समेत कुल 7 लोग घायल हो गए हैं। अहमदाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर आई एक निजी लग्जरी बस करनाली तीर्थधाम में दर्शन के लिए पहुंची थी। दर्शन पूरे कर सभी श्रद्धालु खुशी-खुशी अहमदाबाद लौट रहे थे, तभी शिथोर चौकड़ी के पास मुख्य मार्ग पर अचानक बस की डीजल पाइप फट गई। तकनीकी खराबी आते ही ड्राइवर ने बस को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया। बस अभी सड़क किनारे खड़ी ही थी कि तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार फोर-व्हीलर कार के ड्राइवर ने अचानक नियंत्रण खो दिया। बेकाबू रफ्तार कार सीधे खड़ी लग्जरी बस के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग कांप उठे। कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। घटना का मुख्य विश्लेषण, विवरण 7 जानकारी, हादसे की जगह 7 डभोई-शिथोर चौकड़ी के पास, मुख्य मार्ग, वाहन 7 निजी लग्जरी बस और फोर-व्हीलर कार, हादसे की वजह 7 बस की डीजल पाइप फटने से सड़क किनारे खड़ी थी; पीछे से आ रही कार बेकाबू हुई, घायल 7 कार सवार दंपत्ति (गंभीर चोट) और बस के 5 श्रद्धालु (मामूली चोट),अस्पताल 7 प्रमुखस्वामी अस्पताल, डभोई ,स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, घायल अस्पताल में भर्ती, हादसा होते ही रास्ते से गुजर रहे राहगीर और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। कार से खून से लथपथ दंपत्ति को बाहर निकाला गया। लग्जरी बस में बैठे श्रद्धालुओं को भी जोरदार झटका लगने से चोटें आईं। एम्बुलेंस से इलाज: घटनास्थल से सभी घायलों को तुरंत पास के प्रमुखस्वामी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस बल मौके पर: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया और कानूनी जांच शुरू कर दी है।

'पढ़े-लिखे लोगों से ज्यादा मुझे क्रिमिनल और अंडरवर्ल्ड इलाकों से 92% वोट मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। अपनी बेबाक शैली और स्पष्टवादी छवि के लिए जाने जाने वाले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक और बड़ा बयान देकर देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने दावा किया कि चुनावों में उन्हें पढ़े-लिखे और पॉश इलाकों की तुलना में क्रिमिनल, अंडरवर्ल्ड और रेड लाइट एरिया जैसे इलाकों से अधिक मतदान मिला है। नागपुर में संबोधन के दौरान नितिन गडकरी ने अपनी सीट के वोटिंग पैटर्न का आंकड़ा देश के सामने रखा शिक्षित इलाके: शहर की पॉश और पढ़ी-लिखी सोसायटियों से उन्हें लगभग 70 से 75 फीसदी वोट मिले। क्रिमिनल और अंडरवर्ल्ड क्षेत्र: जिन इलाकों की पहचान आपराधिक गतिविधियों, अंडरवर्ल्ड और रेड लाइट एरिया के रूप में होती है, वहां से उन्हें भारी-भरकम 92 फीसदी वोट हासिल हुए। मुख्य बयान 7 शिक्षित इलाकों की तुलना में क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले इलाकों में ज्यादा वोट शेयर मिला। वजह और सफाई 7 इसका मतलब अपराध को समर्थन देना नहीं, बल्कि उन इलाकों में किए गए सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर के काम हैं। विश्वसनीयता पर जोर 7 लोकतंत्र में विश्वसनीयता ही जीत दिलाती है। जनता से जुड़ाव 7 जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर जनता विकास कार्यों को देखकर वोट देती है। अपने बयान पर कोई विवाद न बढ़े, इसलिए गडकरी ने तुरंत स्थिति भी साफ की। उन्होंने कहा, 'मेरे इस बयान का गलत मतलब न निकाला जाए। नागपुर के अंडरवर्ल्ड और सोशल वर्ल्ड के 99' लोग भले ही मेरे समर्थक हों, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं उनकी आपराधिक गतिविधियों का समर्थन करता हूं। मैंने उन पिछड़े और बदनाम इलाकों में भी सड़कें बनवाई हैं और जमीनी स्तर पर काम किया है। उसी विकास के दम पर लोगों ने मुझे वोट दिया है। गडकरी ने आगे कहा कि राजनीति हो या व्यापार, अंत में केवल जनता के बीच बनाई गई विश्वसनीयता ही काम आती है।

राजनीतिक हलचल

केंद्रीय मंत्री के इस बेबाक बयान ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में बहस छेड़ दी है। एक ओर जहां शिक्षित वर्ग के मतदान वहीं गडकरी के आंकड़े यह दिखाते हैं कि जमीनी विकास कार्य समाज के हर तबके का भरोसा जीतने में सक्षम रहे हैं।

मरीन नेशनल पार्क तक पहुंचने से पहले ही क्यों रोक दिया गया सर्वे

'आधा सर्वे, पूरा दावा!' - मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के डिपार्टमेंट की जांच में समंदर और मरीन नेशनल पार्क 'कवरेज से बाहर' क्यों हैं?

संवेदनशील समुद्री क्षेत्र को जांच से बाहर रखने पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर . गुजरात के एनवायरनमेंट को बचाने के नाम पर सिस्टम का बड़ा धमाका हुआ, लेकिन वह धुएं में ही रह गया! पानी, ज़मीन और चारागाहों की जांच के बड़े-बड़े कागज़ात तैयार हुए, लेकिन जांच का बुलडोज़र समंदर और देश के पहले 'मरीन नेशनल पार्क' तक पहुंचकर क्यों रुक गया, जहां सबसे बड़ा एनवायरनमेंटल रिस्क मंडरा रहा है? कागज़ों पर काम की बड़ी 'तारीख दर तारीख' हो रही है, लेकिन समंदर की लहरों के बीच चल रहे खेल पर चुप्पी साध ली गई है। एनवायरनमेंट मिनिस्टर अर्जुन मोढवाडिया के ऑर्डर के बाद डिपार्टमेंट ने कुछ मोर्चों पर जल्दबाज़ी ज़रूर दिखाई है, लेकिन असली खेल यह है कि सबसे सेंसिटिव ज़ोन को जांच के दायरे से बाहर रखा गया या काम पूरा होने की झूठी तसल्ली मानी गई?

जांच का पन्ना: कहां 'फाइन' लगाया गया और कहां 'रहम' दिखाई गई?

पानी और ज़मीन पर कार्रवाई: नदियों और नहरों में केमिकल वाला पानी छोड़ने वाली यूनिट्स के खिलाफ नोटिस जारी किए गए, कागज़ात सील किए गए और ज़मीन के गैर-कानूनी इस्तेमाल पर जांच का हथौड़ा चलाया गया।

चारागाह की ज़मीन का हिसाब-किताब: डिपार्टमेंट ने ग्रामीण इलाकों में चरागाह की ज़मीन पर भारी दबाव और उसके कमर्शियल इस्तेमाल की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट पेश की।

समुद्र और मरीन नेशनल पार्क पर चुप्पी: जामनगर से कच्छ की खाड़ी तक फैला बहुत सेंसिटिव मरीन नेशनल पार्क, जहां दुर्लभ कोरल, समुद्री जीवन और पूरा इकोसिस्टम गैर-कानूनी कामों की चपेट में है–वहां जांच पहुंचने से पहले ही सर्वे को 'पूरा' घोषित कर दिया गया!

1. जांच के बीच में ही 'पूरा' का सिक्का क्यों घोषित कर दिया गया? पानी, ज़मीन और चरागाह के बाद सबसे ज़रूरी समुद्री तट को क्यों छोड़ दिया गया? क्या अधिकारी तटीय पट्टी तक पहुंचने की हिम्मत नहीं दिखा रहे हैं?

2. बड़े लोगों का साया? मरीन नेशनल पार्क के आसपास चल रही इंडस्ट्रीज़ और गैर-कानूनी कामों के खिलाफ कार्रवाई करते समय एडमिनिस्ट्रेशन के हाथ क्यों कांप रहे हैं?

3. मंत्री मोढवाडिया का क्या आदेश है? पर्यावरण मंत्री के विभाग ने कदम उठाए हैं, लेकिन क्या यह आधे-अधूरे काम को 'सफल' दिखाकर मंत्री को अंधेरे में रखने का खेल नहीं है?

अधूरी जांच, पर्यावरण को पूरा खतरा

अगर समुद्र और मरीन नेशनल पार्क की पूरी जांच नहीं की गई, तो अब तक जमीन और पानी पर की गई सारी कार्रवाई सिर्फ 'कागजी स्टंट' साबित होगी। अगर अर्जुन मोढवाडिया का विभाग सच में अपनी मजबूत छाप छोड़ना चाहता है, तो जांच का इंटरनेशनल मोर्चा समुद्र की ओर शिफ्ट करना होगा।

महानगर मेट्रो' साफ तौर पर मांग करता है: पार्क पर सख्त जांच का दूसरा फेज तुरंत शुरू करो!

AAP MLA चैतर वसावा को हाई कोर्ट से राहत मानसून सेशन के लिए 7 दिन की अंतरिम बेल मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर . गुजरात हाई कोर्ट ने डेडियापाड़ा से ‹P MLA चैतर वसावा को असेंबली के मानसून सेशन में शामिल होने के लिए 7 दिन की कंडीशनल अंतरिम बेल दी है। वसावा ने पब्लिक के मुद्दे उठाने के लिए बेल मांगी थी। कोर्ट ने उन पर गांधीनगर न छोड़ने, सेशन में मौजूद रहने और मीडिया से बात न करने की शर्तें लगाई हैं। गुजरात हाई कोर्ट ने डेडियापाड़ा से आम आदमी पार्टी MLA चैतर वसावा को गुजरात असेंबली के मानसून सेशन में शामिल होने के लिए बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने उनकी अर्जी स्वीकार कर ली है और सात दिन की कंडीशनल अंतरिम बेल दे दी है। इस बीच,

हाई कोर्ट ने बेल देने के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं। इन शर्तों में कहा गया है कि चैतर वसावा बेल पीरियड के दौरान गांधीनगर नहीं छोड़ पाएंगे और उन्हें असेंबली सेशन में शामिल होना होगा। इसके अलावा, कोर्ट ने उन पर मीडिया से बात करने या किसी भी तरह का बयान देने पर भी रोक लगा दी है। चैतर वसावा ने हाई कोर्ट में अंतरिम बेल के लिए अप्लाई किया था ताकि वह असेंबली सेशन में शामिल हो सकें और पब्लिक के मुद्दे उठा सकें। यह पूरा विवाद अक्टूबर-नवंबर 2023 के दौरान शुरू हुआ था। नर्मदा जिले के बोगाज गांव के पास फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की सरकारी जमीन पर लोकल लोगों ने गैर-कानूनी कब्ज़ा कर लिया था और फॉरेस्ट कर्मचारियों ने फसलें हटा दी थीं। इसी जमीन विवाद पर बात करने के बहाने MLA चैतर वसावा ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को डेडियापाड़ा में अपने घर पर बुलाया। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की शिकायत के मुताबिक, बातचीत के दौरान गरमागरम बहस हुई और चैतर वसावा और उनके समर्थकों ने फॉरेस्ट कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

गुजरात में सड़क हादसों का कहर: 8 महीनों में 1.45 लाख से अधिक लोग घायल, मामलों में 27% का बड़ा उछाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दुर्घटनाओं में राज्यभर में शीर्ष पर– रोजाना औसतन 90 लोग अस्पताल पहुंचते हैं, साल के अंत तक आंकड़ा 2.19 लाख के पार जाने की आशंका गुजरात की सड़कों पर यात्रा करना अब यात्रियों के लिए बेहद जोखिम भरा साबित हो रहा है। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में चिंताजनक और भयानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी और आपातकालीन सेवाओं के आंकड़े दर्शाते हैं कि सड़कों पर सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण केवल कागजों तक ही सीमित रह गया है।

आंकड़ों का भयावह सच: 27 प्रतिशत का सीधा उछाल

चालू वर्ष में जनवरी से अगस्त तक के केवल 8 महीनों में ही सड़क दुर्घटनाओं में 1.45 लाख से अधिक लोग घायल हुए हैं।

तुलना: बीते वर्ष इसी 8 महीने की अवधि के दौरान घायलों का आंकड़ा 1.14 लाख था।

बढ़ोतरी: पिछले साल की तुलना में दुर्घटना से होने वाली चोटों के मामलों में 27 प्रतिशत की सीधी बढ़ोतरी हुई है।

भयानक संकेत: यदि सड़क दुर्घटनाओं की यही रफ्तार बनी रही, तो वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा 2.19 लाख मामलों तक पहुंच जाने की गंभीर आशंका है। अहमदाबाद जिले की स्थिति सबसे गंभीर रोज 90 लोग होते हैं घायल राज्यभर में सड़क हादसे में घायल होने के सबसे अधिक मामले दर्ज होने में अहमदाबाद जिला पूरे गुजरात में पहले स्थान पर है:

मामलों का ब्योरा: अहमदाबाद में पिछले साल के शुरुआती 8 महीनों में 18,541 मामले दर्ज हुए थे, जिसके मुकाबले इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 21,995 मामलों पर पहुंच गया है (18.63' की वृद्धि)।

इमरजेंसी सेवा 108 के आंकड़े: अहमदाबाद की सड़कों पर वर्तमान में रोजाना औसतन 90 लोग सड़क हादसे में घायल होकर 108 इमरजेंसी एम्बुलेंस की मदद लेने पर मजबूर हैं। सड़कों पर घूमते आवारा मवेशी, टूटे-फूट रस्ते, बेकाबू दौड़ते भारी वाहन और ट्रैफिक पुलिस का लचर रवैया– आखिर कब तक निर्दोष नागरिकों की जान लेता रहेगा? सरकार और आरटीओ प्रशासन केवल जुर्माना वसूलने में व्यस्त हैं, लेकिन सड़कों को सुरक्षित बनाने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। अगर तुरंत कड़े कदम नहीं उठाए गए, तो गुजरात की सड़कें महज एक्सीडेंट जोन बनकर रह जाएंगी।

शिक्षा के मंदिर में राजनीति का प्रवेश? नवसारी-गणदेवी के स्कूलों पर उठे गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गणदेवी। दक्षिण गुजरात के नवसारी और गणदेवी इलाके से एक ऐसा विवाद सामने आ रहा है, जिसने शिक्षा जगत और प्रबुद्ध नागरिकों के बीच भारी सनसनी फैला दी है। चर्चा है कि कुछ सरकारी और अनुदान प्राप्त (ग्रांटेड) स्कूलों में बीजेपी के पार्टी कार्यालय 'कमलम' से जुड़े या राजनीतिक प्रकृति के कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण बच्चों को दिखाने की तैयारियां की जा रही हैं। यह खबर सामने आते ही एक तीखा और वाजिब सवाल खड़ा हो गया है: क्या स्कूल अब राजनीतिक प्रचार के केंद्र बनते जा रहे हैं? पार्टी कार्यालय या सरकारी स्कूल? सीधा और तीखा सवाल'कमलम' राज्य में सत्ताधारी दल बीजेपी का कार्यालय है, कोई सरकारी या गैर-राजनीतिक शैक्षणिक संस्थान नहीं। अगर कार्यक्रम किसी विशिष्ट राजनीतिक दल या उसके कार्यालय का है, तो फिर सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले मासूम बच्चों को उसे दिखाने का क्या तर्क है?

शैक्षणिक उद्देश्य क्या है?: इस तरह के प्रसारण से छात्रों के शैक्षणिक या बौद्धिक विकास में क्या योगदान मिलेगा?

सरकारी तंत्र का दुरुपयोग?: शिक्षा विभाग के संसाधनों और स्कूलों के समय का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करना कितना उचित है? स्थानीय समस्याएं बरकरार, प्रचार को प्राथमिकता! नवसारी और गणदेवी के ग्रामीण इलाकों में स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की कमी, सड़कों और पीने के पानी जैसे मूलभूत मुद्दे आज भी लंबित हैं। इन मौलिक समस्याओं को सुलझाने के बजाय अगर स्कूल के कक्षाओं को राजनीतिक रंग में रंगने की कोशिश की जाएगी, तो अभिभावकों का गुस्सा चरम पर पहुंचना स्वाभाविक है। स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को तटस्थ, गुणवत्तापूर्ण और संस्कारयुक्त शिक्षा देना है। कम उम्र के छात्रों के कोमल मन पर किसी खास राजनीतिक विचारधारा या पार्टी का प्रभाव डालने का प्रयास लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ है। गणदेवी और नवसारी के जागरूक नागरिक और अभिभावक आज सरकार और शिक्षा विभाग से स्पष्ट जवाब मांग रहे हैं। शिक्षा मंत्री और स्थानीय प्रशासन यह खुलासा करे कि स्कूल समय के दौरान ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने या दिखाने की अनुमति किसने दी? बच्चों को राजनीति नहीं, शिक्षा चाहिए! अगर इस तरह की गतिविधियों पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई, तो शिक्षा की गरिमा बनाए रखने के लिए जनता और अभिभावक आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

मोरबी के मोटा दहीसरा में मौत के खेल का पर्दाफाश! LCB की बड़ी कार्रवाई, नकली शराब की फैक्ट्री का किया भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। मोरबी जिले में ब्रांडेड शराब के नाम पर जहर परोसकर लोगों की जिंदगी से खेलने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मोरबी एलसीबी टीम ने सख्त रुख अपनाया है। मालिया तालुका के मोटा दहीसरा गांव में एक मकान के भीतर चलाई जा रही नकली शराब बनाने की अवैध फैक्ट्री का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए बड़ा धमाका किया है।

मकान में ही चल रही थी नकली शराब की फैक्ट्री

मोरबी **स्थपत्रिका** टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मोटा दहीसरा गांव में एक रिहायशी मकान के अंदर नकली शराब बनाने का अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की, जिससे वहां चल रहे मौत के खेल का पर्दाफाश हुआ:

मुख्य सूत्रधार: महेश उर्फ मुन्नाभाई काजीया और अजयसिंह भावुभा जाडेजा नामक आरोपी अपने ही मकान से यह अवैध नेटवर्क चला रहे थे।

ब्रांडेड बोतलों में जहर: ये आरोपी नामी ब्रांडेड शराब की बोतलों और रैपरों (लेबल) का इस्तेमाल कर उनके अंदर नकली केमिकल युक्त शराब भरकर मासूम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे थे। पुलिस ने मौके से शराब बनाने का केमिकल, खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के नकली लेबल और अन्य सामग्री जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एलसीबी की इस अचानक हुई छापेमारी से पूरे इलाके के शराब माफियाओं और अवैध गतिविधियों में लिप्त तत्वों में भारी हड़कंप मच गया है। ब्रांडेड के नाम पर नकली शराब बेचकर लोगों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे अपराधियों के खिलाफ सिर्फ मामला दर्ज करने से काम नहीं चलेगा। ऐसे तत्वों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचकर पूरी चेन को खत्म किया जाए, यही वक्त की मांग है।

थलतेज में डंपर का कहर: मां की नजरों के सामने 12 साल की मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पॉश इलाका माना जाने वाला थलतेज कल एक ऐसी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना का गवाह बना, जिसे सुनकर ही दिल दहल जाए। अपनी बच्ची को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रही एक मां की आंखों के सामने ही उसके जिगर के टुकड़े, 12 साल की मासूम बच्ची को बेकाबू रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने रौंद दिया। मौके पर ही बच्ची की दर्दनाक मौत हो जाने से सनसनी फैल गई और पूरे इलाके में गहरे शोक के साथ प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश फूट पड़ा है।

मां की नजरों के सामने खेला गया मौत का खेल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मां अपनी 12 साल की बेटी के साथ रास्ते से गुजर रही थी, तभी तेज रफ्तार में आ रहे डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बच्ची को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अपनी मासूम बेटी को खून से लथपथ हालत में देखकर मां के करुण क्रंदन से पूरा इलाका कांप उठा। इस घटना में सबसे चौंकाने वाला और आंखें खोल देने वाला खुलासा यह हुआ है कि हादसा करने वाला यह डंपर कोई नया गुनहगार नहीं है! सिस्टम की घोर लापरवाही: जब पहले भी इससे गंभीर हादसा हुआ था, तो इस डंपर को दोबारा शहर की सड़कों पर दौड़ने की इजाजत क्यों दी गई? क्या ट्रैफिक पुलिस और RTO प्रशासन किसी और की जान जाने का इंतजार कर रहा था? शहर में बेकाबू दौड़ते डंपर और भारी वाहन अब नागरिकों के लिए साक्षात यमराज बन चुके हैं। पहले भी हादसा कर चुके वाहनों और उनके चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय उन्हें खुला छोड़ देने वाली पुलिस और आरटीओ व्यवस्था भी इस मासूम की मौत के लिए उतनी ही जिम्मेदार है। क्या सिर्फ ड्राइवर के खिलाफ एक्सीडेंट का मामला दर्ज करके प्रशासन पल्ला झाड़ लेगा? या फिर इस खूनी डंपर के मालिक और नियमों को ताक पर रखकर इसे सड़क पर घूमने देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई होगी? थलतेज की जनता आज इस लापरवाह व्यवस्था से जवाब मांग रही है!

वल्लभीपुर में सनसनीः पिता-पुत्र ने पारिवारिक संबंधों वाले रांडल माताजी मंदिर के ट्रस्टी पर हमला किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वल्लभीपुर। बेसना जैसे पवित्र मौके पर ट्रस्टी की मंदिर परिसर में पाइप और बेल्ट से पीट-पीटकर हत्या; गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के बाद वल्लभीपुर पुलिस एक्शन मेंभावनगर जिले के ऐतिहासिक और शांत शहर वल्लभीपुर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और सनसनीखेज घटना सामने आई है। वल्लभीपुर के मशहूर पूजा स्थल रांडल माताजी मंदिर के ट्रस्टी पर उसी गांव के पिता-पुत्र ने एक पुराने विज्ञापन के पैसे वसूलने की बात पर धारदार पाइप और बेल्ट से हमला कर दिया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना से हड़कंप मचते ही पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों को कानून का सबक सिखाने में जुटी है। 8 साल पुराने विज्ञापन के मामूली ?6,500 के लिए खूनी खेल मिली जानकारी के मुताबिक, 15 अगस्त, 2026 को वल्लभीपुर में गांव के एक नागरिक की मौत हो गई थी और उनका पवित्र शरीर रांडल माताजी मंदिर के परिसर में रखा गया था। इसी शोक सभा के दौरान वल्लभीपुर के रहने वाले और अभी गांधीनगर में रहने वाले महेंद्र बचुभाई मेहता और उनके बेटे जय मेहता वहां पहुंचे। महेंद्र मेहता मंदिर के ट्रस्टी अल्पेशभाई बधेका के पास आए और सिर्फ 6,500 की सख्त वसूली शुरू की, जो अंगड़िया फर्म के 8 साल पहले के विज्ञापन की बकाया रकम थी। ट्रस्टी अल्पेशभाई ने बहुत शांति से समझाया और कहा, 'आपको इस बारे में मेरे भतीजे से बात करनी चाहिए।' लेकिन यह सुनते ही गुस्से में आए पिता-पुत्र अपना आपा खो बैठे और ऐसा बर्ताव किया जिससे अफरा-तफरी मच गई। मंदिर परिसर में पाइप और बेल्ट से पीटाबातचीत में हुई मामूली बहस से मामला इतना बढ़ गया कि पवित्र मंदिर परिसर की मर्यादा भी भूल गए। गुस्साए पिता महेंद्र मेहता और बेटे जय मेहता ने अचानक ट्रस्टी अल्पेशभाई पर लोहे के पाइप और बेल्ट से हमला कर दिया और उन्हें डराने की कोशिश की। हमलावरों ने ट्रस्टी को सबके सामने पीटा और सिर में गंभीर चोटें पहुंचाई। यहीं नहीं रुके, उन्होंने खुलेआम सार्वजनिक परिसर में 'जान से मारने' की धमकी देकर डर का माहौल बना दिया। इस जानलेवा हमले के बाद, खून से लथपथ और घायल पीड़ित ट्रस्टी अल्पेशभाई बधेका ने तुरंत वल्लभीपुर पुलिस स्टेशन में संपर्क किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वल्लभीपुर पुलिस ने तुरंत पिता महेंद्र मेहता और बेटे जय मेहता के खिलाफ इंडियन पीनल कोड और गुजरात पुलिस एक्ट की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी है। धार्मिक स्थल पर शोक सभा के मौके पर धरने जैसी इस गुंडागर्दी से स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है।

वडोदरा में विदेशी शराब ज़ब्तः मकरपुरा पुलिस ने कार से 3.01 लाख रुपये की शराब ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मकरपुरा। पुलिस ने वडोदरा में असामाजिक तत्वों और शराब तस्करों पर नज़र रखी हुई है। मानेजा क्रॉसिंग के पास से गुज़र रही एक संदिग्ध कार को रोककर पुलिस ने बड़ी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त की है और तस्करों के प्लान को नाकाम कर दिया है।

सूचना के आधार पर रेडः 929 क्वार्टर शराब ज़ब्त

मकरपुरा पुलिस को खास सूचना मिली थी कि एक कार में शराब की बड़ी खेप मानेजा क्रॉसिंग से गुज़रने वाली है। पुलिस ने नज़र रखी और कार को रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर 929 क्वार्टर विदेशी शराब (कीमत 3.01 लाख रुपये) मिली। एक महिला समेत 4 आरोपियों के खिलाफ क्राइम पुलिस ने बूटलेगिंग और स्मगलिंग के इस नेटवर्क पर कार्रवाई की है और मौके से ये कार्रवाई की है

माल ज़ब्तः Rs. 3.01 लाख की शराब, कार और 3 मोबाइल फ़ोन, कुल Rs. 5,02,425/-, ज़ब्त किए गए।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाईः इस मामले में शामिल 1 महिला और 3 पुरुष आरोपियों के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और उन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर में स्मगल की जा रही शराब के काले धंधे के खिलाफ वडोदरा पुलिस के इस सफल ऑपरेशन से बूटलेगर्स में दहशत फैल गई है। पुलिस ने इस दिशा में और गहन जांच की है कि यह शराब कहां से लाई गई थी और किसे सप्लाई की जानी थी।

अहमदाबाद में AMC का सफाई का महाकुंभ! AMC का इंटेंसिव कैंपेन, एक ही दिन में 130 मीट्रिक टन कचरा निपटाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने महीने के पहले रविवार को पूरे शहर में एक ऐसा 'इंटेंसिव सफाई कैंपेन' चलाया जो पहले कभी नहीं हुआ। गुजरात सरकार के पर्यावरण संतुलन, पानी बचाने और पेड़ लगाने के ट्रिपल कैंपेन के तहत आयोजित इस स्वच्छता यज्ञ में पूरा शहर शामिल हुआ। इस महा स्वच्छता अभियान की खासियत यह थी कि इसमें न सिर्फ सरकारी मशीनरी, बल्कि नागरिकों ने भी कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। अहमदाबाद के मेयर हितेशभाई बारोट, अलग-अलग म्युनिसिपल काउंसिलर्स और 1,267 से ज़्यादा जागरूक नागरिकों ने अपनी मर्ज़ी से श्रमदान करके इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाई-प्रेशर जेट से डीप क्लीनिंगः शहर का हर कोना चमकाया गया स्टाफ ने शहर की मुख्य सड़कों और पब्लिक जगहों को साफ करने के लिए हाई-प्रेशर जेट और डीप-क्लीनिंग टेक्नीक का इस्तेमाल करके मेहनत से काम किया

एंट्री पॉइंट और सर्कलः S.G. हाईवे और 48 मुख्य ट्रैफिक सर्कल समेत शहर के 14 मुख्य एंट्री पॉइंट साफ किए गए। पब्लिक सुविधाएंः 239 पब्लिक गार्डन और 545 पब्लिक टॉयलेट डीप-क्लीनिंग से चमकाए गए। टूरिस्ट जगहें और म्यूजियमः कांकरिया लेकफ्रंट, रिवरफ्रंट और साइंस सिटी जैसे 16 मशहूर टूरिस्ट जगहों के साथ-साथ संस्कार केंद्र समेत 07 म्यूजियम में अच्छी तरह सफाई की गई। 130 मीट्रिक टन कचरा प्रोसेसिंग के लिए भेजा गया, टीम ने प्लास्टिक पर सख्ती कीइस होलसेल सैनिटेशन ड्राइव के आखिर में, लगभग 130 मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट इकट्ठा किया गया और तुरंत प्रोसेसिंग प्लांट में भेज दिया गया। इसके अलावा, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बैन सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और 1,500 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा ज़ब्त किया गया। अहमदाबाद के लोगों से अपील की है कि सफ़ाई सिर्फ़ एक दिन का कैंपेन नहीं है, बल्कि इसे अपनी रोज़ की लाइफ़स्टाइल बनाना होगा। हर नागरिक को अपने घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके प्रशासन का सहयोग करना चाहिए, ताकि हमारा अहमदाबाद हमेशा साफ़ और सुंदर बना रहे!

महसाणा और भावनगर के लैंड रिकॉर्ड्स विभाग के अधिकारियों पर गिरी गाजः तत्काल प्रभाव से निलंबित कर डांग और तापी ट्रांसफर

'ऑपरेशन गंगाजल' के तहत सीएम भूपेंद्र पटेल का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। भ्रष्टाचारियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपना रहे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक बार फिर कड़ा रुख दिखाया है। 'ऑपरेशन गंगाजल' के तहत कड़ा और त्वरित निर्णय लेते हुए रविवार जैसे छुट्टी के दिन ही राजस्व विभाग के दो उच्च अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

किन दो अधिकारियों पर गिरी गाज?

राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले भूमि अभिलेख (लैंड रिकॉर्ड्स) शाखा में मिल रही शिकायतों के संदर्भ में प्राथमिक सबूत मिलते ही मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया हैः

बिकीशा पटेल (वर्ग-1): महसाणा की सुपरिनटेंडेंट ऑफ लैंड रिकॉर्ड्स।

के.ए. पंड्या (वर्ग-2): भावनगर के भूमि

अभिलेख निरीक्षक (जमीन दफ्तर निरीक्षक)।

दोनों अधिकारियों के खिलाफ मिली गंभीर शिकायतों और प्राथमिक जांच में सामने आए सबूतों के आधार पर मुख्यमंत्री पटेल ने तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी कर दिया है।

आदिवासी क्षेत्रों में ट्रांसफर और विभागीय जांच

केवल निलंबन ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री ने दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आदिवासी जिलों में स्थानांतरित (ट्रांसफर) कर दिया हैः

बिकीशा पटेल को डांग में तैनात किया गया है।

के.ए. पंड्या को तापी ट्रांसफर कर दिया गया है। अब दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच गहनता से शुरू की जाएगी। यदि जांच के दौरान वित्तीय गड़बड़ी या रिश्वतखोरी का मामला सामने आता है, तो एंटी करप्शन ब्यूरो को भी इस जांच में सीधे शामिल किया जाएगा।

शासन का कड़ा संदेश

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस फैसले से यह साबित होता है कि 'ऑपरेशन गंगाजल' के तहत अब किसी भी भ्रष्ट या लापरवाह अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा—चाहे वह छुट्टी का दिन हो या फिर अधिकारी क्लास-1 श्रेणी का हो। जनता की सेवा और राजस्व संबंधी मामलों में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार का यह कड़ा कदम अत्यंत सराहनीय है।

आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को हाईकोर्ट से बड़ी राहत विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए 7 दिनों की जमानत मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आम आदमी पार्टी के डेडियापाड़ा से विधायक चैतर वसावा के लिए कानूनी मोर्चे पर राहत भरी खबर आई है। गुजरात हाईकोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए विधानसभा के मानसून सत्र में उपस्थित रहने के लिए 7 दिनों की अंतरिम (अस्थायी) जमानत मंजूर की है। जेल से रिहा होने के दिन से ही इस 7 दिनों की जमानत अवधि की गिनती की जाएगी। उल्लेखनीय है कि फॉरेस्ट विभाग के कर्मचारियों पर हमला करने और रंगदारी वसूलने

के गंभीर मामले में नर्मदा सत्र न्यायालय ने चैतर वसावा समेत अन्य आरोपियों को 7 साल की कैद की सजा सुनाई थी। इस मामले में वे फिलहाल वडोदरा जेल में सजा काट रहे हैं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के मुद्दे उठाने और विधानसभा सत्र में हिस्सा लेने के उद्देश्य से उन्होंने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि, '3 दिनों के सत्र के लिए केवल 3 दिनों की ही जमानत दी जाए।' इसके अलावा, अभियोजन पक्ष ने यह भी मांग रखी कि जमानत के दौरान वे किसी भी राजनीतिक गतिविधि (पॉलिटिकल एक्टिविटी) में शामिल न हों और न ही मीडिया को संबोधित करें या बयान दें।

हाईकोर्ट का फैसला और राजनीतिक विश्लेषण

गुजरात हाईकोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद सख्त शर्तों के साथ 7 दिनों की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली है।

मुंबई में मसाले बेचने से लेकर 'मटका किंग' बनने का सफर कच्छ के रतन खत्री का सट्टेबाजी का काला साम्राज्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सड़कों पर घूम-घूमकर मसाले बेचने वाला एक साधारण सा युवक एक दिन देश के काले धन और जुए के साम्राज्य का बेताज बादशाह बन जाएगा, यह शायद किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के सट्टा बाजार में जिसके एक इशारे पर करोड़ों रुपये इधर से उधर हो जाते थे, वह नाम था—रतन खत्री। उसने नंबरों का ऐसा मायाजाल बुना कि पूरी दुनिया उसे 'मटका किंग' के नाम से जानने लगी।

कच्छ की मिट्टी से मुंबई की मायानगरीः संघर्ष और मसालों का कारोबार

गुजरात के कच्छ जिले में एक साधारण कच्छी परिवार में जन्मे रतन खत्री 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय अपने परिवार के साथ मुंबई आकर बस गए थे। शुरुआती दिनों में पेट पालने के लिए उन्होंने मुंबई की गलियों में मसाले बेचने का काम शुरू किया। लेकिन उनके दिमाग में तो कुछ और ही चल रहा था। उस दौर में मुंबई कॉटन एक्सचेंज में न्यूयॉर्क कॉटन एक्सचेंज के कपास के दैनिक दामों के अंकों पर जुआ खेला जाता था। कच्छी व्यापारी कल्याणजी भगत ने इसे 'कल्याण मटका' के नाम से शुरू किया था, और रतन खत्री भी उनके साथ इस खेल में जुड़ गए।

'मटका किंग' का उदय और खत्री मटका का धमाका

कल्याणजी भगत के साथ कुछ समय काम करने के बाद, रतन खत्री ने 1970 के दशक में अपनी सूझबूझ से खुद का अलग 'मेन मटका' (खत्री मटका) शुरू किया। देखते ही देखते वे सट्टा बाजार के सबसे बड़े खिलाड़ी बन गए।

पारदर्शिता का ढोंग और विश्वासः रतन खत्री ने नंबर निकालने का एक अनोखा तरीका बनाया। वे ताश के पत्तों की गड्डी से खुद 3 पत्ते खींचते और अंक घोषित करते थे। लोगों में यह अंधविश्वास बैठ गया था कि 'खत्री कभी फिक्सिंग या सेटिंग नहीं करता।'

देशव्यापी नेटवर्क- केवल मुंबई ही नहीं, बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और दक्षिण भारत तक खत्री का सट्टा बाजार फैल चुका था। हर दिन करोड़ों रुपये का सट्टा केवल उनके एक नंबर पर लगता था।

इमरजेंसी का चाबुक और मटका साम्राज्य का अंत

1975 में जब देश में इमरजेंसी (आपातकाल) लागू हुई, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने सट्टेबाजों और स्मगलरों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। रतन खत्री को 'मीसा' कानून के तहत गिरफ्तार कर 19 महीने के लिए जेल भेज दिया गया। जेल से बाहर आने के बाद मुंबई पुलिस की सख्ती और बदलते कानूनों के कारण मटके का काला कारोबार धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा। 90 के दशक में लॉटरी, ऑनलाइन गेम्स और क्रिकेट सट्टेबाजी के आने से मटका युग का अंत हो गया। रतन खत्री ने भी इस धंधे से हमेशा के लिए संन्यास ले लिया और 2020 में मुंबई के अल्टोसाइड में एक साधारण नागरिक की तरह उनका निधन हो गया। कच्छ के एक आम लड़के से लेकर देश के सबसे बड़े सट्टा किंग बनने की रतन खत्री की कहानी भले ही फिल्मी और रोमांचक लगे, लेकिन इस जुए के दलदल ने भारत के लाखों परिवारों को बर्बाद कर दिया था। रतन खत्री का जीवन यह साबित करता है कि गैर-कानूनी कारोबार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, कानून के हाथों से कभी बच नहीं सकता।

गांधी के गुजरात में ज़हर का कारोबार! 'उड़ता गुजरात' के पीछे कौन है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधी और सरदार की पवित्र धरती मानी जाने वाली गुजरात आज बहुत बुरी हालत में आ गई है। जिस ज़मीन पर अहिंसा, संस्कृति और शांति की बात होती थी, आज अंधेरे कोनों में ड्रग्स का काला कारोबार फल-फूल रहा है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा UdtaGujarat सिर्फ़ एक हैशटैग नहीं है, बल्कि गुजरात के भविष्य के सामने एक सुलगता और भयानक सवाल खड़ा हो गया हैः ऐसा 'उड़ता गुजरात' किसने बनाया?आंकड़े इतने चौंकाने वाले हैं कि सुनकर ही रोंगटे खड़े हो सकते हैं। भले ही सरकारी किताबें इन आंकड़ों को छिपाने की कोशिश करती हों, लेकिन असलियत यह है कि राज्य में 40 लाख से ज़्यादा लोग शराब, चरस, गांजा, अफीम और सिंथेटिक ड्रग्स जैसे जानलेवा ड्रग्स के बुरे चक्कर में फंसे हुए हैं। 7 करोड़ की आबादी वाले गुजरात में हर 10 में से 1 आदमी कभी-कभी या रेगुलर नशा करता है। कागज़ों पर शराबबंदी के बड़े-बड़े दावे होते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही दिखाती है। 20 लाख शराब के आदीः शराबबंदी तो जैसे सिर्फ़ नाम की हो गई है, 20 लाख लोग शराब कीराह पर चल चुके हैं। 20 लाख दूसरे नशे के शिकारः चरस, गांजा, MD ड्रग्स और अफीम जैसे केमिकल नशे ने राज्य के युवाओं के दिमाग को बंधक बना लिया है। 9 लाख लोग पेनकिलर के आदीः दवा के नाम पर बिकने वाली पेनकिलर गोलियां अब इलाज के लिए नहीं, बल्कि नशे के लिए इस्तेमाल हो रही हैं। 2 लाख से ज़्यादा औरतें नशे की आदी सबसे चिंता की बात यह है कि घर की शान 2 लाख से ज़्यादा औरतें भी इस काले धंधे का शिकार हो चुकी हैं। इस तबाही के लिए कौन ज़िम्मेदार है? सवाल यह है कि अगर समुद्र तट से ज़ब्त हज़ारों करोड़ के ड्रग्स के कंटेनर सिर्फ़ एक बूंद हैं, तो असली समंदर कहाँ बह रहा है?

1. ज़बरदस्ती वसूली और बेबस कानूनः पुलिस और शराब तस्करों की मिलीभगत के बिना ड्रग्स का सड़कों पर पहुंचना नामुमकिन है।

गुजरात के युवाओं की मेहनत और एनर्जी को खत्म करने के लिए बॉर्डर पार और अंदर से

एक खतरनाक साज़िश चल रही है।

3. सरकारी चुप्पीः सरकारी आंकड़े छिपाने और 'सब ठीक है' का दिखावा करने की पॉलिसी आज गुजरात को इस तबाही के कगार पर लाने की मुख्य वजह बन गई है। अगर समाज और सिस्टम ने आज भी आंखें मूंद लीं, तो कल घर में अनकही तबाही होगी। यह सिर्फ पॉलिटिक्स का मामला नहीं है, यह हमारे बच्चों के भविष्य का सवाल है। गुजरात को 'उड़ता गुजरात' बनने से रोकने के लिए कागज़ों पर शराब पर बैन नहीं, बल्कि बुलडोजर जैसी कार्रवाई और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की ज़रूरत है।

ज़मीन हड़पने के जुर्म में फरार चल रहा आदतन क्रिमिनल भानु भरवाड़ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। ज़मीन हड़पने के गंभीर जुर्म में लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा आरोपी आखिरकार जाल में फंसा; खेड़ा-नडियाद LCB टीम ने सूचना के आधार पर किया सफल ऑपरेशन खेड़ा लोकल क्राइम ब्रांच टीम ने खेड़ा-नडियाद ज़िले में जुर्म करने वाले और कानून से बचने वाले लोगों पर नकेल कस दी है। ज़मीन हड़पने के गंभीर जुर्म में लंबे समय से फरार और क्रिमिनल हिस्ट्री वाला आदतन आरोपी भानुभाई जोधाभाई भरवाड़ खेड़ा LCB की नज़रों से बच नहीं सका। खास सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखी और इस सखार आरोपी को पकड़कर कानून का वास्ता दिया। वह ज़मीन हड़पने जैसे गंभीर जुर्म में फरार था। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी भानुभाई जोधाभाई रवाड़ के खिलाफ गुजरात लैंड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट के तहत ज़मीन हड़पने का गंभीर जुर्म दर्ज था। जब से यह जुर्म दर्ज हुआ है, आरोपी पुलिस की गिरफ़्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी जगह बदल रहा था। आरोपी का क्रिमिनल रिकॉर्ड भी है और वह पहले भी कई गैर-कानूनी कामों में नाम आ चुका है। खेड़ा डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ के कहने पर, LCB खेड़ा-नडियाद स्क्वॉड लगातार पेट्रोलिंग कर रहा था और फरार असामाजिक तत्वों को पकड़ने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान, LCB के बहादुर जवानों को प्राइवेट तौर पर खास जानकारी मिली कि ज़मीन हड़पने के मामले में वॉन्टेड आरोपी भानु भरवाड़ एक खास इलाके में घूम रहा है।

नगर परिषद चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन, शाम 5 बजे थम जाएगा शोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। नगर परिषद चुनाव को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा चुनाव प्रचार आज शाम 5 बजे समाप्त हो जाएगा। प्रचार की समय सीमा खत्म होने से पहले प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। शहर के अलग-अलग वार्डों में प्रत्याशी समर्थकों के साथ घूमकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। चुनाव प्रचार की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद लाउडस्पीकर, होर्डिंग और अन्य सार्वजनिक प्रचार गतिविधियों पर रोक लग जाएगी। इसके बाद प्रत्याशी सार्वजनिक रूप से प्रचार नहीं कर सकेंगे। हालांकि, प्रत्याशियों को घर-घर जाकर मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करने की अनुमति रहेगी। ऐसे में प्रचार के अंतिम दिन प्रत्याशी अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं। वार्ड संख्या-10 के निर्दलीय प्रत्याशी शेरू खान ने प्रचार का अलग अंदाज अपनाया। उन्होंने बाइक पर स्पीकर और होर्डिंग लगाकर वार्ड में घूमते हुए प्रचार किया। इस दौरान वे अपने वार्ड के अलावा दूसरे वार्डों में भी प्रचार करते नजर आए। चुनावी मैदान में कई अन्य निर्दलीय प्रत्याशी भी अलग-अलग तरीकों से मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। प्रचार के अंतिम दौर में प्रत्याशियों का फोकस अब सीधे मतदाताओं से संपर्क पर है। कई निर्दलीय प्रत्याशी मतदाताओं के घर पहुंचकर पैर छूते हुए आशीर्वाद और समर्थन मांग रहे हैं। समर्थकों की टोलियां भी प्रत्याशियों के साथ वार्डों में घूम रही हैं। अंतिम दिन प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने से शहर के वार्डों में चुनावी माहौल और अधिक तेज हो गया है। नगर परिषद के 40 वार्डों में मतदान कराने के लिए कुल 44 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इनमें 40 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। प्रशासन ने मतदाताओं की संख्या और मतदान व्यवस्था को ध्यान में खते हुए केंद्रों का निर्धारण किया है। वार्ड संख्या-27 में कुल 1,674 मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या अधिक होने के कारण यहां दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। भीनमाल रोड स्थित उपनिदेशक कृषि एवं परियोजना निदेशक आत्मा कार्यालय के कमरा संख्या-4 में मुख्य मतदान केंद्र बनाया गया है, जहां 928 मतदाता मतदान करेंगे। वहीं, इसी कार्यालय के कमरा संख्या-6 में सहायक मतदान कें बनाया गया है, जहां 746 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 38, 39 और 40 में भी दो-दो केंद्र वार्ड संख्या-38, 39 और 40 में भी मतदाताओं की संख्या को देखते हुए एक-एक मुख्य और सहायक मतदान केंद्र बनाया जाएगा। प्रशासन की ओर से मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पाली में बांडी नदी की रपट से नीचे उतरी निजी बस, ड्राइवर समेत 9 लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के सुमेरपुर रोड स्थित बांडी नदी की रपट पर सोमवार को एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर रपट से नीचे नदी की ओर उतर गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। बस में सवार यात्रियों में घबराहट फैल गई। हादसे में बस चालक सहित कुल 9 लोग चोटिल हो गए। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचाया गया। हादसे के बाद बस चालक जोधपुर जिला निवासी रसूल (35) पुत्र इब्राहिम खान ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बस जोधपुर से शिवगंज जा रही थी। इसी दौरान बांडी नदी की रपट पर अचानक बस का स्टीयरिंग फेल हो गया। स्टीयरिंग पर नियंत्रण नहीं रहने के कारण बस अनियंत्रित होकर रपट से नीचे उतर गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे की आवाज और यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने बिना समय गंवाए बस से घायलों को बाहर निकालना शुरू किया। हादसे में चोटिल यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में स्थानीय लोगों ने मदद की। समय पर सहायता मिलने से घायलों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल ले जाया गया।

ऑपरेशन गंगाजल के तहत सीएम भूपेंद्र पटेल का बड़ा फैसला, छुट्टी के दिन ही दो अधिकारी निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। 'ऑपरेशन गंगाजल' के तहत मुख्यमंत्री ने छुट्टी के दिन ही राजस्व विभाग से जुड़े दो अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। प्राथमिक जांच में गंभीर शिकायतों और सामने आए तथ्यों के आधार पर महसाणा और भावनगर के भूमि अभिलेख विभाग में कार्यरत दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद प्रशासनिक महकमे में भी हलचल तेज हो गई है। राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाली भूमि अभिलेख शाखा से जुड़ी शिकायतों के बाद सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया। कार्रवाई की जद में महसाणा की सुपरिनटेंडेंट ऑफ लैंड रिकॉर्ड्स बिकीशा पटेल और भावनगर के भूमि अभिलेख निरीक्षक के.ए. पंड्या आए हैं। दोनों अधिकारियों के खिलाफ मिली शिकायतों की प्राथमिक जांच के दौरान सामने आए तथ्यों को कार्रवाई का आधार बनाया गया है। सरकार की ओर से दोनों अधिकारियों के निलंबन का आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री ने रविवार जैसे अवकाश के दिन भी इस मामले में फैसला लेने में देरी नहीं की। इससे सरकार की भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के मामलों में त्वरित कार्रवाई की नीति का संकेत मिलता है। निलंबन की कार्रवाई के साथ दोनों अधिकारियों को आदिवासी जिलों में स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बिकीशा पटेल को डांग भेजा गया है, जबकि के.ए. पंड्या का तबादला तापी किया गया है। सरकार की ओर से अब दोनों मामलों में विभागीय जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। विभागीय जांच के दौरान यदि वित्तीय अनियमितता, रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार से जुड़े तथ्य सामने आते हैं, तो मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो यानी एसीबी को भी शामिल किया जा सकता है। सरकार का फोकस यह पता लगाने पर रहेगा कि अधिकारियों के खिलाफ मिली शिकायतों की वास्तविक स्थिति क्या है और भूमि अभिलेख से जुड़े कामकाज में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं। मुख्यमंत्री के फैसले से कड़ा संदेश मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की इस कार्रवाई को प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अजमेर के सबसे हॉट वार्ड-4 में त्रिकोणीय मुकाबला, पूर्व मेयर की पत्नी निर्दलीय मैदान में; जलभराव और सफाई बने सबसे बड़े मुद्दे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। नगर निगम चुनाव में अजमेर का वार्ड संख्या 4 इस बार सबसे चर्चित और हॉट सीटों में शामिल हो गया है। ओबीसी महिला के लिए आरक्षित इस वार्ड में मुकाबला अब त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा ने मोनिका जैन को प्रत्याशी बनाया है, जबकि पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत की पत्नी हेमा गहलोत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने हेमा गहलोत को अपना समर्थन दिया है। वहीं नीलम चौधरी भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं। तीनों प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर मतदाताओं को साधने में जुटे हैं।

वार्ड में स्थानीय मुद्दे बने चुनाव का केंद्र

वार्ड संख्या 4 में चुनावी चर्चा केवल राजनीतिक समीकरणों तक सीमित नहीं है। यहां स्थानीय समस्याएं भी मतदाताओं के लिए बड़ा मुद्दा बनी हुई हैं। बरसात के दिनों में होने वाला जलभराव, सफाई व्यवस्था, नियमित कचरा उठाव, पानी की समस्या और आवारा घूमने वाले जानवर क्षेत्रवासियों की प्रमुख परेशानियों में शामिल हैं। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी इन समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास को लेकर मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। मतदाता भी प्रत्याशियों से स्थानीय समस्याओं के स्थायी समाधान की उम्मीद कर रहे हैं। क्षेत्रवासी चाहते हैं कि चुनाव के बाद वार्ड में जलभराव की समस्या से राहत मिले, नियमित सफाई हो और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार किया जाए।/वार्ड निवासी हरीश दगदी ने कहा कि बरसात के दौरान वार्ड में जलभराव की समस्या सबसे ज्यादा परेशान करती है। इसके साथ ही नियमित सफाई और कचरे का समय पर उठाव भी जरूरी है। क्षेत्र में पानी की सप्लाई नियमित होनी चाहिए। उनका कहना है कि जो प्रत्याशी इन समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से काम करेगा, क्षेत्र के लोग उसी के पक्ष में मतदान करने पर विचार करेंगे। वार्ड संख्या 4 में नृसिंहपुरा, मानसरोवर कॉलोनी, संत कंवर राम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, रामनगर, अद्वैत आश्रम, भट्टा बस्ती, राधे गोविंद कॉलोनी, जोगराज नगर, नवग्रह कॉलोनी, पुरानी विश्राम स्थली, अरिहंत कॉलोनी और महावीर कॉलोनी सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। अलग-अलग इलाकों की स्थानीय समस्याएं चुनावी चर्चा का हिस्सा बनी हुई हैं। वार्ड में करीब साढ़े चार हजार मतदाता हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या वैश्य समाज के मतदाताओं की बताई जा रही है, जिनकी संख्या एक हजार से अधिक है। इसके अलावा सिंधी, माली, तेली और ब्राह्मण समाज के मतदाता भी बड़ी संख्या में हैं। इन समाजों के मतदाताओं की संख्या करीब 500 से 700 के बीच बताई जाती है। ऐसे में चुनाव परिणाम में सामाजिक और स्थानीय समीकरण महत्वपूर्ण

भूमिका निभा सकते हैं। वार्ड के चुनाव में प्रत्याशियों का स्थानीय होना भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। मोनिका जैन और हेमा गहलोत वार्ड में निवास नहीं करती हैं, जबकि नीलम चौधरी इसी वार्ड की निवासी हैं। नीलम चौधरी अपने स्थानीय होने को चुनावी मुद्दा बना रही हैं। वहीं मोनिका जैन की नजर भाजपा के परंपरागत समर्थक वैश्य, ब्राह्मण और सिंधी समाज के मतदाताओं पर है। राजनीतिक तौर पर भी वार्ड-4 खास है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का वार्ड भी यही है, ऐसे में उनके प्रभाव को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं हैं। दूसरी ओर भाजपा से दो बार मेयर रहे धर्मेंद्र गहलोत का भी इस चुनाव में नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। उनकी पत्नी हेमा गहलोत के मैदान में उतरने और कांग्रेस के समर्थन मिलने से मुकाबला और ज्यादा दिलचस्प हो गया है। भाजपा के सामने अपना आधार बचाने की चुनौती है, जबकि हेमा गहलोत को पूर्व मेयर की राजनीतिक पहचान, भाजपा के कोर वोटरों और ओबीसी मतदाताओं के बीच समर्थन की उम्मीद है। नीलम चौधरी स्थानीय प्रत्याशी होने का लाभ लेने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे में वार्ड-4 में किस प्रत्याशी का समीकरण सबसे मजबूत बैठता है, इसका फैसला मतदान के बाद ही होगा। फिलहाल तीनों प्रत्याशियों के मैदान में होने से मुकाबला बेहद रोचक और कांटे का नजर आ रहा है।

नगर निगम चुनाव में तीन शहरों में प्रतिष्ठा की बड़ी जंग, जोधपुर में गहलोत-शेखावत आमने-सामने तो पाली में प्रदेशाध्यक्ष की साख दांव पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। राजस्थान के तीन प्रमुख शहरों जोधपुर, उदयपुर और पाली में नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जोधपुर नगर निगम में 100, उदयपुर में 80 और पाली में 65 वार्ड हैं। मौजूदा चुनावी समीकरणों को देखें तो जोधपुर और पाली में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा और कांटे का मुकाबला दिखाई दे रहा है। वहीं उदयपुर में भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन यहां भी मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नजर नहीं आ रहा है। तीनों नगर निगमों के चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा भी जुड़ी हुई है। जोधपुर का चुनाव इस बार खास तौर पर चर्चा में है। यहां भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कांग्रेस की ओर से तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर मानी जा रही है। चुनावी तस्वीर में मुकाबला केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बनाम पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के रूप में दिखाई दे रहा है। भाजपा के दो विधायक अतुल भंसाली और देवेंद्र जोशी भी नगर निगम में पार्टी का बोर्ड बनाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। इस बार टिकट वितरण में विधायकों के साथ केंद्रीय मंत्री की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। जयपुर में टिकट वितरण से पहले हुई संभाग की बैठक में गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी ने भी चुनाव में उनकी सक्रिय भूमिका को स्पष्ट किया। कांग्रेस की ओर से गहलोत के करीबी माने जाने वाले नेता और जेडीए के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र सोलंकी तथा पूर्व विधायक मनीषा पंवार चुनावी मैदान में पार्टी के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। हालांकि चुनावी रणनीति और पर्दे के पीछे का पूरा मैनेजमेंट पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संभाल रहे हैं। इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों ने चुनाव को लेकर विधानसभावार जिम्मेदारियां तय की हैं। यानी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में टिकट वितरण से लेकर चुनाव में जीत की जिम्मेदारी तक नेताओं को सौंपी गई है। अशोक गहलोत के गढ़ माने जाने वाले सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्डों की जिम्मेदारी भाजपा ने जेडीए के पूर्व चेयरमैन महेंद्र राठौड़ को दी है। वहीं कांग्रेस की ओर से इन वार्डों की कमान राजेंद्र सोलंकी संभाल रहे हैं। ऐसे में सरदारपुरा क्षेत्र में दोनों दलों की रणनीति और जमीनी पकड़ की भी परीक्षा होगी। जोधपुर में जातीय और सामाजिक समीकरण भी चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। कांग्रेस की माइनॉरिटी और एससी-एसटी मतदाताओं में मजबूत पकड़ मानी जा रही है, जबकि भाजपा को सामान्य वर्ग के मतदाताओं पर भरोसा है। वहीं गहलोत फैक्टर के चलते ओबीसी मतदाताओं के दोनों प्रमुख दलों के बीच बंटने की संभावना चुनाव को और रोचक बना रही है। उदयपुर नगर निगम में 80 वार्ड हैं और यहां लगातार छह बार से भाजपा का बोर्ड रहा है। मौजूदा समीकरणों में भाजपा की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है, लेकिन पार्टी के सामने भी चुनावी चुनौतियां हैं। यहां दिग्गज नेता और पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के दो दामादों के भाई चुनावी मैदान में हैं। दूसरी ओर करीब 12 बागियों ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे में भाजपा जहां

अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगी, वहीं कांग्रेस बागियों और मजबूत भाजपा संगठन के बीच अपनी स्थिति बनाने के लिए संघर्ष करती नजर आएगी। पाली नगर निगम में 65 वार्ड हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला कड़ा माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ की प्रतिष्ठा इस चुनाव से सीधे जुड़ी हुई है। पार्टी के कई दिग्गज नेता या तो बागी होकर मैदान में हैं या फिर विरोधी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इससे भाजपा के सामने अंदरूनी चुनौती खड़ी हुई है। हालांकि छह वार्ड ऐसे हैं, जहां कांग्रेस का कोई प्रत्याशी नहीं है। इससे इन वार्डों में भाजपा की चुनौती कुछ कम होती दिखाई दे रही है। इसके बावजूद बागियों और स्थानीय स्तर पर नेताओं की नाराजगी का असर चुनावी परिणाम पर कितना पड़ता है, यह महत्वपूर्ण होगा। एक निगम होने से कांग्रेस के सामने नई चुनौती इस बार तीनों शहरों में चुनावी परिस्थितियां पिछली बार की तुलना में अलग हैं। खास तौर पर जोधपुर में एक निगम पर चुनाव होने से कांग्रेस के सामने चुनौती बढ़ सकती है। पिछली बार जोधपुर में दो निगम थे और एक में भाजपा तथा दूसरे में कांग्रेस का बोर्ड बना था। उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और परिसीमन के दौरान वार्डों की सीमाएं तय करने में पक्षपात के आरोप भी लगे थे। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। एक ही निगम में बोर्ड बनाने के लिए दोनों प्रमुख दलों को बड़ी संख्या में वार्डों में प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। ऐसे में जोधपुर, उदयपुर और पाली के चुनाव केवल स्थानीय निकाय की सत्ता का मुकाबला नहीं रह गए हैं, बल्कि इनमें भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की राजनीतिक पकड़, संगठनात्मक क्षमता और जमीनी रणनीति की भी परीक्षा होने जा रही है।

निकाय चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजस्थान में सियासी गर्मी, सीएम भजनलाल ने किया रोड शो; अलवर में मंत्री की तबीयत बिगड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में नगर निकायों के पहले चरण में 9 सितंबर को होने वाले चुनाव के प्रचार का सोमवार को अंतिम दिन रहा। प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर और भरतपुर में रोड शो कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। दोनों शहरों में मुख्यमंत्री के रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। अंतिम दिन भाजपा ने जहां विकास और ट्रिपल इंजन सरकार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, वहीं कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं ने भी अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में पूरी ताकत झोंकी। अलवर में मुख्यमंत्री के रोड शो के दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। रोड शो के दौरान संजय शर्मा को खड़े-खड़े चक्कर आने लगे। इसके बाद वह वाहन में ही नीचे बैठ गए। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए रोड शो के दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं में भी हलचल दिखाई दी। हालांकि, इसके बाद चुनाव प्रचार अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ा। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चुनावी माहौल और भाजपा की रणनीति को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि जनता को विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता सभी निकायों में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाना चाहती है, ताकि विकास की गति को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवा, किसान और मजदूर समेत समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि जनता का विश्वास भाजपा के साथ है और निकाय चुनाव में पार्टी को इसका लाभ मिलेगा। प्रचार के अंतिम दिन चुनावी रंग कई जगह अलग-अलग अंदाज में भी दिखाई दिया। कोटा में प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी जेसीबी पर चढ़कर डांस करते नजर आए। चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशी और समर्थकों के इस अंदाज ने लोगों का ध्यान खींचा। वहीं चूरू के सुजानगढ़ में एक प्रत्याशी ने प्रचार के दौरान फूलगोभी की माला पहनकर लोगों के बीच पहुंचकर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन ऐसे कई दृश्य स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बने। उधर, उदयपुर में यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा ने अपनी ही पार्टी के एक नेता से जान को खतरा होने का आरोप लगाया है। दिव्यानी कटारा ने आरोप लगाया कि दिवंगत पूर्व मंत्री खेमराज कटारा के बेटे विवेक कटारा के समर्थकों की ओर से उन्हें धमकी दी गई है। इस मामले में उन्होंने गोवर्धन विलास थाने में एफआईआर भी दर्ज करवाई है। चुनावी माहौल के बीच सामने आए इस विवाद ने उदयपुर की राजनीतिक गतिविधियों को भी चर्चा में ला दिया है।

लोकमंथन यात्रा का सिरोही में हुआ भव्य स्वागत, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभाव का दिया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रभाव को समाज में फिर से जागृत करने के उद्देश्य से निकली लोकमंथन यात्रा रविवार को सिरोही पहुंची। यात्रा के सिरोही पहुंचने पर विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। यात्रा में शामिल सदस्यों ने सबसे पहले सारणेश्वर शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए और धार्मिक वातावरण में यात्रा की गतिविधियों की शुरुआत की। सारणेश्वर शिव मंदिर के दर्शन के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोकमंथन यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने यात्रा के उद्देश्य और भारतीय संस्कृति से जुड़े विचारों को समाज के बीच पहुंचाने के अभियान का समर्थन किया। यात्रा में शामिल सदस्यों ने भी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों से संवाद किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद लोकमंथन यात्रा ने सिरोही के ऐतिहासिक राजमहलों का दौरा किया। यहां यात्रा में शामिल सदस्यों ने सिरोही के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी हासिल की। ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के दौरान भारतीय संस्कृति और स्थानीय इतिहास के आपसी जुड़ाव को भी समझने का अवसर मिला। इसके बाद लोकमंथन यात्रा आदर्श विद्या मंदिर पहुंची, जहां उसका स्वागत किया गया। विद्यालय के सभागार में लोकमंथन यात्रा के तहत 'हम भारत के लोग' विषय पर सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न संगठनों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज और समय से जुड़े अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान संस्कार भारती, संस्कृत भारती और लघु उद्योग भारती सहित कई संगठनों ने अपनी गतिविधियों और सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। संस्कार भारती की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें सामाजिक जागरण और सनातन संस्कृति का संदेश प्रमुख रूप से दिखाई दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की परंपराओं और मूल्यों को लोगों के सामने रखा गया।

भूतगांव में जल निकासी व्यवस्था चरमराई, मुख्य सड़क पर बह रहा गंदा पानी; ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ग्राम पंचायत भूतगांव में जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह बदहाल होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। गांव के मुख्य मार्ग पर लंबे समय से टूटा पड़ा मुख्य नाला अब लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। नाले की खराब स्थिति के कारण गांव का गंदा पानी सीधे सड़क पर बह रहा है। इससे मुख्य रास्ते पर जगह-जगह पानी और कीचड़ जमा हो गया है। राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को इस मार्ग से निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव का यह मार्ग प्रमुख रास्तों में शामिल है और बस स्टैंड को सीधे मुख्य आबादी वाले क्षेत्र से जोड़ता है। दिनभर इस रास्ते से ग्रामीणों के साथ-साथ छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही होती रहती है। ऐसे में सड़क पर लगातार गंदा पानी बहने और कीचड़ जमा रहने से लोगों के लिए आवागमन मुश्किल हो गया है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि पैदल चलने वाले लोगों को भी पानी और कीचड़ से बचकर निकलना पड़ता है। वाहन चालकों को भी सड़क पर जमा पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है।

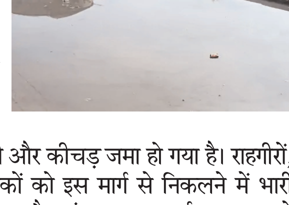

सम्पादकीय

नारों के पीछे की कड़वी सच्चाई
क्या महिला सशक्तिकरण सिर्फ़ एक भ्रम है?

मंच से दिए गए भाषणों से आगे देखिए–जिस ज़मीन पर सशक्तिकरण पहुँच जाना चाहिए था, वहाँ आज भी अंधेरे, मजबूरी और लाचारी का साम्राज्य है! आज महिला सशक्तिकरण शब्द इतना फ़ैशनेबल हो गया है कि हर टीवी शो, सेमिनार और सोशल मीडिया कैंपेन में इसकी चर्चा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस सारे शोर-शराबे के बीच वह महिला कहाँ है जिसे सच में इस शब्द की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी? सच तो यह है कि समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी इस भ्रम में जी रहा है कि महिलाएँ आज़ाद हो गई हैं। लेकिन असल में, जिस महिला तक यह विचार पहुँच जाना चाहिए था, उसकी ज़िंदगी आज भी 100 साल पुराने मोड़ पर अटकी हुई है। जहाँ सशक्तिकरण की सख़्त ज़रूरत है, वहाँ आज भी चुप्पी और मजबूरी है। हमें उन दावों को खत्म करना होगा कि आज महिलाएँ हर फ़ील्ड में आगे बढ़ गई हैं। हाँ, एक छोटा सा हिस्सा आगे आया है, लेकिन समाज के निचले तबके और दूर-दराज के इलाकों की औरतों की हालत देखिए

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अधूरी पढ़ाई की दर्दनाक कहानी: एक लड़की जो मैथ, साइंस या लिटरेचर पढ़ना चाहती है, उसे यह कहकर स्कूल से निकाल दिया जाता है, 'इतनी लड़की होकर पढ़कर क्या करूँगी? '

आर्थिक गुलामी और परिवार का बोझ: एक लड़की जो कमाना चाहती है, अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती है, उसे घर के कामों, बच्चों की देखभाल और मजबूरी की जंजीरों में इस तरह बाँध दिया जाता है कि वह अपने सपनों का गला घोंट देती है।

फैसले लेने के हक से वंचित: उसे अपनी शादी, अपने करियर या अपने शरीर के बारे में फैसले लेने का भी हक नहीं है। वह सिर्फ अपने परिवार के फैसलों को अपना वजीफा मानकर जीती है।

अन्याय के सामने बेबसी: घरेलू हिंसा या सामाजिक शोषण झेलने वाली औरत अपनी आवाज़ नहीं उठा सकती, क्योंकि उसके पास जाने के लिए कोई और जगह या फाइनेंशियल सपोर्ट नहीं होता। एम्पावरमेंट के नाम पर 'आज़ादी' और 'बहाने' बहुत बड़ी गलतफहमी एम्पावरमेंट का मतलब यह कभी नहीं होता कि कोई औरत अपनी मर्ज़ी से काम करे, रिश्तों की हदें तोड़ दे, या परिवार और समाज को नीचा दिखाए। आज समाज का एक खास तबका 'खुले विचारों' का दिखावा करके अपने छोटे-मोटे व्यवहार, ज़िम्मेदारियों से भागने की आदत या अपनी गलतियों को 'मेरा एम्पावरमेंट' या 'मेरी आज़ादी' कहकर सही ठहराने की कोशिश करता है। यह एम्पावरमेंट नहीं है, यह तो बस एक बहाना है। अगर 'एम्पावरमेंट' शब्द नहीं होता, तो इस सोच वाले लोग अपनी गिरावट को सही ठहराने के लिए कोई और नाम ढूंढ लेते।एक सच्ची एम्पावरमेंट औरत वह नहीं है जो दूसरों को नीचा दिखाए या परंपराओं को तोड़ती हो। एक सच्ची एम्पावरमेंट औरत वह है

एक सच्ची एम्पावरमेंट औरत वह नहीं है जो दूसरों को नीचा दिखाए या परंपराओं को तोड़ती हो। एक सच्ची एम्पावरमेंट औरत वह है

1. जो पैसे और दिमागी तौर पर आत्मनिर्भर हो: जो अपनी रोटी खुद कमा सके और अपने फैसले खुद लेने की हिम्मत रखती हो। 2. कौन साफ़ बोलने वाला है: जो अपनी 'हाँ' का जवाब 'हाँ' और 'ना' का जवाब 'ना', बिना किसी के दबाव में आए, मज़बूती से दे सके।

3. कौन अन्याय के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाता है: जो अपने या किसी और के साथ हो रहे गलत काम के ख़िलाफ़ चुप नहीं रहता।

4. कौन ज़िम्मेदारी समझता है: जो आज़ादी के साथ-साथ अपने परिवार, रिश्तों और सामाजिक सीमाओं की इज़्ज़त भी बनाए रखता है।

अब परिभाषाएँ देना बंद करो–बस काम करो!

हम उस जगह पहुँच गए हैं जहाँ महिला सशक्तिकरण पर भाषण देने, बड़े सेमिनार करने या तख्तियाँ लेकर फ़ोटो खिंचवाने की ज़रूरत नहीं है। अब हमें इसे साबित करना बंद करना होगा। इसे 'सशक्तिकरण' कहना बंद करो जहाँ सशक्तिकरण के नाम पर सिर्फ़ बहाने बनाए जाते हैं। और झुग्गी-झोपड़ियों, गाँवों और मज़दूर वर्ग के घरों में रहने वाली महिलाओं को शिक्षा, कानूनी मदद, स्वास्थ्य और रोज़गार के मौके देने के लिए तुरंत काम करना शुरू करो जहाँ इसकी सच में ज़रूरत है। नारे नहीं, बल्कि ठोस काम समाज में अच्छा बदलाव लाएगा!

राशिफल
(मंगलवार) 08 सितंबर 2026

राशि	राशिफल
मेष	आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।
तुला	आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी
वृषभ	आज धन लाभ के अवसर मिलेंगे और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी
वृश्चिक	आज महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी, धन संबंधी मामलों में लाभ होगा
मिथुन	आज नए काम की शुरुआत हो सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें
धनु	आज भाग्य का साथ मिलेगा और नौकरी-व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे
कर्क	आज नए काम की शुरुआत हो सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें
मकर	आज जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन मेहनत का सकारात्मक परिणाम भी मिलेगा
सिंह	आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी
कुंभ	आज नई योजनाएं सफल हो सकती हैं और आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे
कन्या	आज मेहनत से सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं
मीन	आज मन प्रसन्न रहेगा और परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है

हमें हर प्रॉब्लम की 'होम डिलीवरी' लेने की आदत हो गई है!
वो बेपरवाह सिस्टम जो टैक्स देने के बाद भी प्राइवेट सुविधाओं के लिए अपनी जेबें खाली करता है और नागरिकों की मजबूरी को 'देश की तरक्की' कहता है

आज आम नागरिक की सोच ऐसी हो गई है कि सिस्टम कितना भी फेल हो जाए, हम कभी सरकार से जवाब मांगने नहीं जाते। बल्कि, हम अपने 'पर्सनल इंतज़ाम' करने में लग जाते हैं। हम सिस्टम की हर नाकामी को चुपचाप मान लेते हैं और अपनी कमाई का पैसा फेंककर पर्सनल हल ढूंढ लेते हैं।

सड़कें, हेल्थ और सेफ्टी: कागज़ पर तरक्की, ज़मीन पर तबाही!

हम टैक्स इसलिए देते हैं ताकि हमें बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं मिलें, लेकिन असलियत बिल्कुल उलटी है:

गाड़ी के रास्तों जैसी सड़कें और SUV की मजबूरी:

सड़कों के भरना या अच्छी क्वालिटी की सड़कें बनाना सिस्टम की ज़िम्मेदारी है। लेकिन सड़कों को ठीक करवाने के लिए आवाज़ उठाने के बजाय, हम बड़ी और महंगी स्कू खरीद लेते हैं ताकि हमारी कमर न टूटे!

सरकारी हॉस्पिटल में घोटाले और प्राइवेट लूट: सरकारी हॉस्पिटल में लाइनें, एडमिनिस्ट्रेटिव अव्यवस्था और सुविधाओं की कमी होती है। नतीजतन, आम आदमी अपनी सारी कमाई निचोड़कर महंगे मेडिक्लेम लेता है और प्राइवेट हॉस्पिटल के लाखों के बिल भरता है।

चोरों और प्राइवेट सिक्योरिटी का डर: लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखना पुलिस और सिस्टम का काम है। लेकिन चोरी और क्राइम के डर से बचने के लिए हमें अपनी सोसायटी में प्राइवेट सिक्योरिटी और CCTV कैमरों पर हज़ारों रुपये ज़्यादा खर्च करने पड़ते हैं।

पैसा फेंको और अपने हिसाब से जियो

टैक्सपेयर की बहुत बड़ी मजबूरी

सिस्टम में चाहे जितनी भी कमियां हों, हमारा प्लान एक ही है: 'पैसा फेंको और अपना इंतज़ाम खुद करो! '

हम कभी सड़क, रास्ते, पढ़ाई या हेल्थ के अपने हक के लिए आवाज़ नहीं उठाते। हर साल ईमानदारी से टैक्स देने के बाद भी हम अपनी लाइफस्टाइल सेट करने के नाम पर अपनी जेबें खाली करते रहते हैं। हमें वे सभी बेसिक सुविधाएं बाज़ार से खरीदनी पड़ती हैं जो सरकार हमें देने के लिए मजबूर है।

नेताओं का घमंड और मिडिल क्लास का दर्द

सबसे बड़ा मज़ाक यह है कि जब टैक्स के आंकड़े बढ़ते हैं या महंगी कारों की बिक्री बढ़ती है, तो नेता और शासक गर्व से छाती पीटते हैं और कहते हैं: 'देखो, हमारा देश कितनी तरक्की कर रहा है! '

अगर सरकार लोगों की मजबूरी में खरीदी गई कारों और प्राइवेट सुविधाओं को अपनी 'डेवलपमेंट अचीवमेंट' कहती है, तो इससे बड़ी कोई उलटी बात नहीं हो सकती।

गुजरात का मुश्किल सवाल तो पक्का है

सरकार की नाकामियों की कीमत नागरिक कब तक अपनी जेब से चुकाते रहेंगे? हमें अपनी समस्याओं की 'होम डिलीवरी' लेना बंद करना होगा। अगर टैक्स हमारे हैं, तो सुविधाओं और सुरक्षा का अधिकार भी हमारा है। सिस्टम अपनी ज़िम्मेदारियों से बच नहीं सकता!

'नकली गुजरात': दूध और घी से लेकर करेंसी नोट और साबुन तक, राज्य में सब कुछ नकली है! क्या सरकार और हेल्थ मिनिस्टर सो रहे हैं

अहमदाबाद। गुजरात, जिसे हम 'मॉडल स्टेट' और 'डेवलपिंग गुजरात' कहते हैं, आज नकली और मिलावटी सामान का बड़ा हब बन गया है। पिछले 1 साल में राज्य के कोने-कोने से पकड़ी गई नकली फैक्ट्रियों और मिलावट के रैकेट के आंकड़े किसी भी नागरिक के रोंगटे खड़े करने के लिए काफी हैं। सुबह की चाय और नाश्ते से लेकर रात के खाने तक, और रोज़मर्रा की ज़रूरतों से लेकर करेंसी नोट तक... सब कुछ नकली बेचा जा रहा है। लोगों की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है और सिस्टम देख रहा है।

यह भी नकली, वह भी नकली: ज़हर का धंधा ज़ोरों पर

पिछले एक साल में सामने आए नकली और मिलावटी खाने की चीज़ों के मुख्य रैकेट का एनालिसिस:

नकली दूध, घी, तेल और मसाले: शुद्धता के नाम पर केमिकल, पाम ऑयल और ज़हरीले पदार्थ मिलाकर कैंसर जैसी बीमारियाँ घर-घर पर परोसी जा रही हैं। शुद्ध देसी घी के नाम पर जड़ी-बूटियों और एसेंस का खेल चल रहा है।

नकली शैम्पू, साबुन और डिटर्जेंट: जाने-माने ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट पैकिंग करके स्किन की बीमारियां फैलाने वाले साबुन और शैम्पू मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे हैं।

फेविक्विक और ग्लू: रोज़ाना इस्तेमाल होने वाले ब्रांड की नकली कॉपी बनाकर कस्टमर्स को ठगा जा रहा है।

नकली कॉस्मेटिक्स और ऑटो पार्ट्स: महिलाओं के चेहरे को नुकसान पहुंचाने वाले नकली ब्यूटी प्रोडक्ट और गाड़ी के एक्सीडेंट का कारण बनने वाले नकली ऑटो पार्ट्स का एक बड़ा नेटवर्क एक्टिव है।

नकली सिगरेट, बीड़ी और नकली शराब: गांधी के गुजरात में शराब पर बैन सिर्फ कागजों पर है। रंगों और केमिकल्स के साथ जहरीली शराब और नकली सिगरेट से करोड़ों का ब्लैक मार्केट चल रहा है।

नकली करेंसी नोट और डमी फोन: इकॉनमी को खोखला कर रहे नकली नोटों की लगातार बरामदगी और ऑनलाइन शॉपिंग में असली के नाम पर डमी फोन देने के स्कैम बढ़ गए हैं।

किस ब्रांड या आइटम में क्या खेल है?

आइटम/सेक्टर 7 नकली धंधा कैसे होता है? 7 नागरिकों पर असर खाने की चीज़ें (दूध, घी, मसाले) 7 केमिकल, पाम ऑयल और आर्टिफिशियल रंगों का इस्तेमाल 7 कैंसर, लिवर और किडनी की गंभीर बीमारियाँ

कॉस्मेटिक्स और शैंपू 7 सस्ते और ज़हरीले केमिकल का मिक्सचर 7 स्किन इन्फेक्शन और बाल झड़ना

ऑटो पार्ट्स और गोंद 7 खराब क्वालिटी का सामान 7 गाड़ी के एक्सीडेंट और आर्थिक नुकसान

करेंसी नोट और ई-कॉमर्स 7 हाई-टेक प्रिंटिंग और नकली प्रोडक्ट 7 देश के आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान

सरकार और हेल्थ मिनिस्टर से सीधे सवाल

गुजरात की जनता आज पूछ रही है कि क्या राज्य में फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट सिर्फ़ किश्तें वसूलने के लिए है? जब कोई नकली फैक्ट्री पकड़ी जाती है, तो सिर्फ़ रेड मारकर उसे क्यों सैटिस्फाई मान लिया जाता है?

हेल्थ मिनिस्टर से सवाल: नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले इन अपराधियों के खिलाफ उम्रकैद या फांसी जैसे सख्त कानून क्यों नहीं लाए जाते?

प्रशासन की पोल: क्या सिर्फ़ फैक्ट्री सील करने से काला धंधा रुक जाएगा? पुलिस मास्टरमाइंड तक क्यों नहीं पहुँच रही है?

अगर सरकार और हेल्थ डिपार्टमेंट ऐसे ही आंखें मूंदे रहे और इन गुनाहगारों के खिलाफ सज़ा देने वाली कार्रवाई नहीं की, तो गुजरात का आम नागरिक हॉस्पिटल के बेड पर धकेल दिया जाएगा। 'पाको गुजरात' प्रशासन से मांग करता है कि इन ज़हर के सौदागरों को सलाखों के पीछे डाले और एक सख्त मिसाल कायम करे।

मनी लॉन्ड्रिंग की बड़ी स्कीम या पॉलिटिकल स्कैम? गुजरात में कागज़ पर चल रही 6 अनजान पार्टियों पर 1700 करोड़ बरसाए गए! विपक्ष के सनसनीखेज आरोप, CBI जांच की ज़ोरदार मांग

अहमदाबाद। गुजरात की पॉलिटिक्स में एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने इलेक्शन कमीशन से लेकर सत्ता के गलियारों तक हलचल मचा दी है। जिन पॉलिटिकल पार्टियों के नाम आम जनता ने कभी नहीं सुने, जिनके नेताओं के पते भी कागज़ पर हैं और जिनका कोई असली वजूद नहीं है, उन्होंने गुजरात में रजिस्टर्ड सिर्फ़ 6 छोटी पार्टियों के अकाउंट में जमा हुए 1700 करोड़ से ज़्यादा के डोनेशन से पॉलिटिकल हंगामा खड़ा कर दिया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इस पूरे मामले में रूलिंग पार्टी BJP पर निशाना साधा है और देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी CBI और ED से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आधा अरब 1,700 करोड़ की फंडिंग: ये फैंटम पार्टियां कौन हैं?

पॉलिटिकल गलियारों में अभी सबसे बड़ा सवाल यह पूछा जा रहा है कि अचानक उन पार्टियों पर इतना बड़ा फंड किसने और क्यों बरसाया जिनके पास चुनाव लड़ने के लिए सही कैंडिडेट नहीं हैं, जिनके ऑफिस ठीक से काम नहीं कर रहे हैं और जिनके नाम पर 500 वोट भी नहीं हैं?

विपक्षी नेताओं ने चौंकाने वाला आरोप लगाया है कि ये पार्टियां 'शेल कंपनियों' की तरह काम कर रही हैं। यह ब्लैक मनी को सफेद करने का एक सोचा-समझा तरीका है।

कांग्रेस और AAP के सुलगते आरोप और सवाल

इस मामले में, विपक्षी पार्टियों ने मिलकर सत्ताधारी पार्टी और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं

BJP से कनेक्शन का आरोप: विपक्षी नेताओं का सीधा आरोप है कि, BJP से जुड़े बड़े उद्योगपति और भ्रष्ट अधिकारी अपने ब्लैक मनी को टैक्स से बचाने और उसे सफेद करने के लिए इन छोटी पार्टियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या ये पार्टियां BJP की पर्दे के पीछे की 'B-टीम' हैं या मनी लॉन्ड्रिंग का सेंटर हैं? इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80ततष्ट का गलत इस्तेमाल भारतीय टैक्स कानून के तहत, पॉलिटिकल पार्टियों को दिए गए डोनेशन पर 100' टैक्स में छूट मिलती है। आरोप है कि बड़े कॉर्पोरेट घराने इस कानूनी कमी का गलत इस्तेमाल करके इन पार्टियों को ब्लैक मनी ट्रांसफर करते हैं और बाद में उसे कैश में वापस ले लेते हैं।

इलेक्शन कमीशन की शक वाली चुप्पी: पार्टियों में कागजों पर इतनी बड़ी रकम जमा होने के बावजूद 'इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया' ने कोई जांच या सवाल क्यों नहीं पूछा? क्या इलेक्शन कमीशन भी अधिकारियों के दबाव में काम कर रहा है?

CBI और ED जांच की मांग

यह विवाद अब सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे देश के सबसे बड़े फाइनेंशियल स्कैम के तौर पर देखा जा रहा है। विपक्ष ने मांग की है कि:

1. **डोनर्स के नाम बताएं:** जिन कॉर्पोरेट कंपनियों और लोगों ने ?1700 करोड़ का डोनेशन दिया, उनके नाम तुरंत पब्लिक किए जाएं।
2. **फोरेंसिक ऑडिट:** इन 6 पार्टियों के बैंक अकाउंट्स का फोरेंसिक ऑडिट किया जाए ताकि पता चल सके कि पैसा कहां से आया और कहां ट्रांसफर किया गया।
3. **CBI/ED स्पेशल टीम:** मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई जाए। गुजरात की राजनीति में सामने आए इस 1700 करोड़ के चंदे घोटाले ने आने वाले समय में एक बड़े राजनीतिक भूचाल को जन्म दिया है। अब देखना यह है कि जांच एजेंसियां इसमें दखल देती हैं या मामला कागजों तक ही सीमित रहता है।

अहमदाबाद की ऐतिहासिक गाथा : इतिहास के पन्नों पर अंकित अमर घटनाएँ

अहमदाबाद (रूपेश सोलंकी) गुजरात की धरती पर अनेक शहरों ने अपने इतिहास, संस्कृति, परंपरा और विकास के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, लेकिन अहमदाबाद का स्थान उनमें विशेष है। साबरमती नदी के किनारे बसा अहमदाबाद केवल एक शहर नहीं है, बल्कि यह गुजरात के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम, व्यापार, उद्योग, स्थापत्य, शिक्षा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। सदियों से बदलते समय के साथ इस शहर ने अनेक ऐतिहासिक घटनाओं को अपनी आँखों से देखा है और हर युग ने अहमदाबाद की पहचान को और अधिक समृद्ध बनाया है।

अहमदाबाद की स्थापना ईस्वी सन् 1411 में गुजरात के सुल्तान अहमद शाह प्रथम ने की थी। साबरमती नदी के किनारे नए शहर की स्थापना के साथ अहमदाबाद धीरे-धीरे गुजरात के राजनीतिक और व्यापारिक जीवन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। भद्र किला, भद्रकाली मंदिर, तीन दरवाजे और पुराने शहर के अनेक ऐतिहासिक अवशेष अहमदाबाद के प्राचीन वैभव के साक्षी हैं। शहर के नाम को लेकर विभिन्न लोकमान्यताएँ प्रचलित हैं, लेकिन ऐतिहासिक रूप से इसके संस्थापक के रूप में सुल्तान अहमद शाह प्रथम का विशेष स्थान है। उनके शासनकाल में शहर ने नियोजित विकास की दिशा में कदम बढ़ाए और आगे चलकर अहमदाबाद गुजरात के प्रमुख शहरों में शामिल हो गया। अहमदाबाद की पहचान उसके ऐतिहासिक स्थापत्य के बिना अधूरी है। पुराने शहर की पोलें आज भी अतीत की जीवनशैली को जीवंत बनाए हुए हैं। संकरी गलियाँ, लकड़ी की नक्काशी वाले मकान, चबूतरे, पारंपरिक हवेलियाँ और एक-दूसरे के निकट बसे परिवार अहमदाबाद की अनूठी सामाजिक संस्कृति का प्रतिबिंब हैं। पोलों का निर्माण केवल आवास के उद्देश्य से नहीं हुआ था। इनमें सामाजिक एकता, पारस्परिक सहयोग और सुरक्षा की भावना भी जुड़ी हुई थी। आज के आधुनिक युग में भी पुराने अहमदाबाद की पोलें शहर की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर बनी हुई हैं। समय के साथ अहमदाबाद व्यापार और उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। विशेष रूप से कपड़ा उद्योग के विकास के कारण शहर को 'मैनचेस्टर ऑफ इंडिया' के नाम से भी जाना जाता था। कपड़ा मिलों ने केवल आर्थिक विकास को गति नहीं दी, बल्कि हजारों परिवारों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए।ह उद्योगपतियों, व्यापारियों और समाजसेवियों के योगदान से अहमदाबाद में शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और सामाजिक संस्थाओं का भी विकास हुआ। शहर के विकास में अनेक उद्योगपति परिवारों और संस्थाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्वतंत्रता संग्राम में अहमदाबाद का ऐतिहासिक स्थान

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहमदाबाद का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। महात्मा गांधी वर्ष 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के बाद अहमदाबाद आए और यहाँ कोचरब आश्रम की स्थापना की। इसके बाद साबरमती आश्रम स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। साबरमती आश्रम से महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश पूरे देश तक पहुँचाया। वर्ष 1930 में दांडी मार्च के लिए गांधीजी साबरमती आश्रम से रवाना हुए थे। इस ऐतिहासिक यात्रा ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा प्रदान की।

अहमदाबाद की धरती पर गांधीजी के विचारों और आंदोलनों का प्रभाव आज भी अनुभव किया जा सकता है। साबरमती आश्रम केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना का पवित्र प्रतीक है। अहमदाबाद के इतिहास में वर्ष 1918 का मिल मजदूर आंदोलन भी एक उल्लेखनीय घटना है। मिल मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए महात्मा गांधी ने अहिंसक मार्ग अपनाया। मजदूरों के अधिकारों के लिए हुआ यह आंदोलन सत्याग्रह और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उदाहरण बना। इस घटना ने सिद्ध किया कि संघर्ष केवल हिंसा के माध्यम से ही नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा और नैतिक शक्ति के माध्यम से भी लड़ा जा सकता है। इस प्रकार अहमदाबाद राष्ट्रीय आंदोलन के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा। वर्ष 1919 में रॉलेट एक्ट के विरोध में पूरे देश में असंतोष फैल गया था। अहमदाबाद भी इस राष्ट्रीय आंदोलन से अछूता नहीं रहा। इस दौर में शहर ने राजनीतिक जागृति और स्वतंत्रता चेतना का उभार देखा। अहमदाबाद के व्यापारियों, मजदूरों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों में राष्ट्रीय भावना विकसित होती गई। धीरे-धीरे शहर स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण केंद्रों में अपना स्थान बनाने लगा। अहमदाबाद का ऐतिहासिक स्थापत्य उसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। सिद्दी सैयद की जाली, भद्र किला, तीन दरवाजे, सरखेज रोजा और पुराने शहर की पोलें गुजरात के स्थापत्य वैभव की याद दिलाती हैं। विशेष रूप से सिद्दी सैयद की जाली अपनी अद्भुत पत्थर की नक्काशी के लिए विश्वविख्यात है। पेड़ की शाखाओं और पत्तियों से बनी जालीदार संरचना कारीगरों की अद्वितीय कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मस्जिद ध्वस्तीकरण के विरोध में सहारनपुर जा रहे थे अतुल प्रधान, मेरठ में पुलिस ने रोका

सहारनपुर जाने से रोका तो पुलिस से भिड़े अतुल प्रधान, मौके पर बनी तनाव की स्थिति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। सहारनपुर में प्राचीन मस्जिद गिराए जाने के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। समाजवादी पार्टी ने मामले को लेकर अपने प्रतिनिधिमंडल को सहारनपुर भेजने का ऐलान किया था। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सपा विधायक अतुल प्रधान को सोमवार सुबह मेरठ में पुलिस ने सहारनपुर जाने से रोक दिया। बताया गया कि रविवार रात से ही अतुल प्रधान के आवास के बाहर भारी पुलिस बल

तैनात था। सोमवार सुबह विधायक अपने समर्थकों के साथ गाड़ी से सहारनपुर के लिए रवाना होने लगे। इसी दौरान पहले से तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। विधायक और पुलिस के बीच इस दौरान तीखी बहस हुई। मौके पर धक्का-मुक्की की स्थिति भी बन गई। थानेदार और क्षेत्राधिकारी समेत पुलिसकर्मियों ने विधायक को आगे जाने से रोकने का प्रयास किया। काफी देर तक चली गहमागहमी के बाद अतुल प्रधान किसी तरह अपनी गाड़ी तक पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया और आगे जाने का रास्ता बंद कर दिया। दरअसल, सहारनपुर में करीब 150 साल पुरानी मस्जिद को न्यायालय के आदेश के बाद प्रशासन ने ध्वस्त किया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस कार्रवाई का विरोध कर रही हैं। सपा ने इसी मामले को लेकर सोमवार को प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर भेजने की घोषणा की थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मस्जिद गिराए जाने को लेकर सरकार पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने मस्जिद पक्ष को उच्च न्यायालय में अपील का अधिकार दिए जाने को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

भोपाल में आर्मी डे परेड के लिए तीन किलोमीटर सड़क होगी चौड़ी, चार रोटरी और डिवाइडर हटेंगे

टैंक और भारी सैन्य वाहनों की आवाजाही के लिए जंबूरी मैदान से बीएचएल दशहरा मैदान तक मार्ग को 80 फीट चौड़ा किया जाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। 15 जनवरी 2027 को होने वाली आर्मी डे परेड को लेकर भोपाल में तैयारियां शुरू हो गई हैं। जंबूरी मैदान से बीएचएल दशहरा मैदान तक करीब तीन किलोमीटर लंबे मार्ग को परेड के लिए चौड़ा किया जा रहा है। इस दौरान सड़क के डिवाइडर हटाने के साथ चार प्रमुख रोटरियां भी हटाई जाएंगी। मार्ग को करीब 80 फीट चौड़ा किया जाएगा, ताकि टैंक समेत भारी सैन्य वाहनों की आवाजाही सुगम हो सके। प्रशासन और सेना के अधिकारी सड़क निर्माण एजेंसियों के साथ मिलकर तैयारियों में जुटे हैं। भारी सैन्य वाहनों के वजन को देखते हुए सड़क को मजबूत बनाया जाएगा। मार्ग में बाधा बन रहे पेड़, बिजली के खंभे और अन्य संरचनाओं को हटाने या स्थानांतरित करने की तैयारी है। सद्भावना चौक, प्रगति चौक, बरखेड़ा पठानी चौक और गांधी चौक की

रोटरियां हटाई जाएंगी। महात्मा गांधी चौक से सद्भावना चौक तक करीब दो किलोमीटर हिस्से को मुख्य परेड मार्ग के रूप में तैयार किया जाएगा। यहां विशेष मंच बनाया जाएगा, जहां सेना प्रमुख परेड में शामिल दलों से औपचारिक सलामी लेंगे। दिसंबर से बीएचएल रोड को आम यातायात के लिए बंद किए जाने की संभावना है। इससे रायसेन रोड पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस वैकल्पिक मार्ग और यातायात डायवर्जन की योजना तैयार कर रही है। यातायात पुलिस ने मेट्रो निर्माण एजेंसी से प्रभात चौक से पिपलानी तक चल रहे डायवर्जन संबंधी कार्य को जल्द पूरा करने का आग्रह भी किया है। अधिकारियों के मुताबिक परेड समाप्त होने के बाद हटाई गई रोटरियों और सड़क की अन्य व्यवस्थाओं को दोबारा पुराने स्वरूप में बहाल किया जाएगा। बारिश के कारण तैयारियों में कुछ बाधाएं आई हैं, लेकिन सेना और स्थानीय प्रशासन निर्धारित समय में काम पूरा करने में जुटे हैं।

नई सिम चालू होने के अगले दिन खाते से निकले 70 हजार रुपये, फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर ठगों ने हासिल की निजी जानकारी

भोपाल में सिम पोर्ट कराते ही साइबर ठगी, महिला के खाते से 2.10 लाख रुपये पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में सिम पोर्ट कराने के बाद एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। नई सिम चालू होने के अगले ही दिन उसके बैंक खाते से रकम निकलनी शुरू हो गई। ठगों ने बैंक कर्मचारी बनकर महिला से संपर्क किया और निजी जानकारी हासिल करने के बाद अलग-अलग लेनदेन के जरिए उसके खाते से करीब 2.10 लाख रुपये निकाल लिए। शिकायत के बाद कोलार पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक महिला ने 24 अगस्त को कोलार रोड स्थित डी-मार्ट चौराहे के पास एक मोबाइल दुकान से अपनी सिम दूसरे नेटवर्क में पोर्ट कराई थी। 26 अगस्त को नई सिम चालू हुई। इसके अगले दिन 27 अगस्त की रात करीब साढ़े नौ बजे महिला के मोबाइल पर खाते से 70,050 रुपये निकलने का संदेश आया। अचानक बड़ी रकम निकलने से परेशान महिला ने इंटरनेट पर बैंक का ग्राहक सेवा नंबर तलाशा और उस पर

फोन किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मचारी बताया। बातचीत के दौरान उसने महिला से मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, जन्मतिथि समेत कई निजी जानकारियां हासिल कर लीं। इसके बाद खाते से लगातार रकम निकलती रही। बैंक के अनुसार 27 अगस्त को 9,890 रुपये, 9,972 रुपये, 9,980 रुपये और 70,050 रुपये निकाले गए। इसके बाद 1 सितंबर को 1,09,694.25 रुपये की एक और बड़ी रकम निकाल ली गई। इस तरह खाते से करीब 2.10 लाख रुपये पार हो गए। लगातार लेनदेन की जानकारी मिलने के बाद महिला बैंक पहुंची और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सिम पोर्ट कराने और ठगी के बीच संभावित संबंध की भी जांच कर रही है। साथ ही इंटरनेट पर उपलब्ध फर्जी बैंक ग्राहक सेवा नंबर और आरोपियों की पहचान के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अनिल शर्मा ने बताया कि कोलार क्षेत्र में महिला के साथ साइबर ठगी की शिकायत मिली है। सिम पोर्ट कराने के बाद ग्राहक सेवा के नाम पर फोन आया था, जिसके बाद उसके खाते से रकम निकली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक साल में चौथी बार तबादला, इस बार 50 दिन में ही हटीं आईएएस नेहा मारव्या सिंह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या सिंह का एक साल के भीतर चौथी बार तबादला चर्चा में है। 5 सितंबर 2026 को जारी तबादला सूची में नाम आने के बाद नेहा ने आईएएस अधिकारियों के समूह में अपनी नाराजगी साझा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा पद पर कार्यभार संभालने के महज 50 दिन बाद ही उनका तबादला कर दिया गया। नेहा ने अपने संदेश में कहा कि वह सरकारी आदेशों का हमेशा सम्मान करती रही हैं और सरकार उन्हें जहां भी पदस्थ करे, वहां काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार का तबादला उनके लिए बेहद निराशाजनक है। उन्होंने दावा किया कि उनके साथ काम करने वाले कुछ कर्मचारियों ने उनके खिलाफ विद्रोह जैसा माहौल बनाया और कथित तौर पर उनका तबादला कराने की धमकी तक दी। आईएएस अधिकारी के मुताबिक, उन्होंने कर्मचारियों की कथित अनुशासनहीनता, फाइलें रोकने

और उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार की जानकारी उचित माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई थी। उन्हें उम्मीद थी कि मामले में कार्रवाई होगी, लेकिन उनके अनुसार कार्रवाई होने के बजाय उनका ही तबादला कर दिया गया। नेहा ने सवाल उठाया कि क्या एक आईएएस अधिकारी इतना कमजोर हो सकता है कि उसके मातहत कर्मचारी उसके खिलाफ माहौल बनाकर उसका तबादला कराने में सफल हो जाएं। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी को नई जिम्मेदारी समझने और व्यवस्था को जानने में समय लगता है, लेकिन उनकी पोस्टिंग कई बार केवल दो से तीन महीने तक ही रह जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार छोटे कार्यकाल के कारण वह किसी पद की जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाने की स्थिति में नहीं रह पातीं। नेहा के मुताबिक, लंबे समय तक उन्होंने चुप्पी और धैर्य बनाए रखा तथा पर्याप्त काम नहीं मिलने की स्थिति को भी सहन किया, लेकिन परिस्थितियां सुधरने के बजाय और बिगड़ती चली गईं। अपने संदेश के अंत में उन्होंने लिखा कि हर बार साजिश करने वाले जीत जाते हैं और वह असफल हो जाती हैं। उन्होंने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज वह निशाने पर हैं, कल कोई दूसरा आईएएस अधिकारी भी ऐसी स्थिति का सामना कर सकता है। नेहा के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, एक साल में चौथी बार तबादले और उनके सार्वजनिक रूप से साझा किए गए संदेश ने मध्य प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है।

सड़क नहीं होने से 22 वर्षीय महिला को छह घंटे तक जंगल और पहाड़ी रास्तों से ले गए परिजन, वाहन तक पहुंचने के बाद निजी अस्पताल में कराया भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में स्वास्थ्य और सड़क व्यवस्था की बदहाली का मामला सामने आया है। जुन्नारदेव क्षेत्र के पील्हावाड़ी गांव में पेट दर्द से परेशान 22 वर्षीय महिला को परिजन साड़ी और लाठी से बनी डोली में बैठाकर करीब 13 किलोमीटर दूर अस्पताल ले गए। इस दौरान ग्रामीणों को तीन उफनती नदियां और दुर्गम जंगल-पहाड़ी रास्ते पार करने पड़े। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद महिला को वाहन तक पहुंचाया जा सका। जानकारी के अनुसार कड्डे पति राजू ढीकू के पेट में अचानक तेज दर्द हुआ और उसकी हालत बिगड़ने लगी। गांव तक चारपहिया वाहन या एंबुलेंस पहुंचने का रास्ता नहीं होने के

कारण परिजनों ने साड़ी और लाठी की मदद से अस्थायी डोली बनाई। ग्रामीण मन्नू ढीकू सहित अन्य लोगों ने महिला को डोली में बैठाया और पैदल अस्पताल के लिए रवाना हुए। रास्ते में डोबरी डोह और दानी घाट नदी को पार करने के बाद झालमऊ के पास रिंदों नदी में पानी का तेज बहाव मिला। मुख्य रास्ता बंद होने पर ग्रामीणों ने पहाड़ के किनारे बनी पथरीली जंगल की पगडंडी का सहारा लिया और लंबा रास्ता तय कर ग्राम कट्टा-बिचबेहरी पहुंचे। यहां से वाहन की व्यवस्था होने के बाद महिला को दमुआ के निजी चिकित्सालय ले जाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान पील्हावाड़ी गांव का संपर्क मुख्य मार्गों से लगभग पूरी तरह कट जाता है। कई बार दोपहिया वाहन से भी गांव तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव तक सड़क और नियमित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क बनने से आपात स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा और लोगों को जान जोखिम में डालकर कई किलोमीटर पैदल नहीं चलना पड़ेगा। फिलहाल महिला का दमुआ में उपचार जारी है और उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

डेढ़ महीने बाद पत्नी ने दिया बच्चे को जन्म, थाने में हुआ प्रसव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में पति-पत्नी के विवाद का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शादी के महज डेढ़ महीने बाद पत्नी के बच्चे को जन्म देने से दोनों के बीच विवाद खड़ा हो गया। पति का दावा है कि शादी के 10 दिन बाद वह रोजगार के लिए गुजरात चला गया था। वहीं पत्नी ने अलग कहानी बताते हुए गांव के ही एक युवक पर जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। विवाद के बीच दोनों पक्षों को सुबेहा थाने बुलाया गया, जहां महिला ने थाना परिसर में ही बच्चे को जन्म दे दिया। जानकारी के अनुसार सुबेहा थाना क्षेत्र निवासी सूरज की शादी शिवानी से 20 जून 2026 को हुई थी। सूरज के मुताबिक शादी के करीब 10 दिन बाद वह रोजगार के लिए अहमदाबाद चला गया। करीब डेढ़ महीने बाद परिजनों ने उसे फोन कर बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती है और प्रसव होने वाला है। यह जानकारी मिलने पर सूरज ने पत्नी की गर्भावस्था को लेकर सवाल उठाए। गुजरात से लौटने के बाद सूरज ने गांव के ही बबलू नाम के युवक पर पत्नी से संबंध होने का आरोप लगाया। सूरज का दावा है कि विवाद के दौरान शिवानी ने बबलू के साथ संबंध होने की बात स्वीकार की। हालांकि शिवानी ने आरोप से इनकार करते हुए कहा कि एक दिन शौच के दौरान बबलू ने उसके साथ जबरदस्ती की थी। सामाजिक बदनामी के डर से उसने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी। विवाद बढ़ने पर शिवानी के पिता प्रहलाद की ओर से पुलिस में शिकायत की गई। इसके बाद दोनों पक्षों को सुबेहा थाने बुलाया गया। बातचीत के दौरान अचानक शिवानी की तबीयत बिगड़ गई और उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। कुछ ही देर बाद थाना परिसर में बने मंदिर के पास उसने बच्चे को जन्म दे दिया। पुलिसकर्मियों ने तत्काल जच्चा और बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से दोनों को जिला महिला अस्पताल भेज दिया गया। मामले में सूरज ने आरोप लगाया कि बबलू की ओर से 40 से 50 हजार रुपये देकर मामला खत्म करने और बच्चे की करीब सात साल तक परवरिश करने की बात कही जा रही थी। सूरज ने पुलिस पर भी समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। थाना प्रभारी बेचू सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों को शिकायत के आधार पर थाने बुलाया गया था। उनके अनुसार दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद समझौते की स्थिति बन गई थी। इसी दौरान महिला को प्रसव पीड़ा हुई और उसने थाना परिसर में बच्चे को जन्म दे दिया। पुलिस ने तत्काल मां और नवजात को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पति और पत्नी के बयानों में अंतर होने के कारण मामला उलझा हुआ है। महिला की गर्भावस्था और लगाए गए आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

छह साल के बच्चे की जटिल सर्जरी कर बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में खेलते समय छह साल का बच्चा निर्माणाधीन मकान के कॉलम में लगी लोहे की सरिया पर गिर गया। करीब डेढ़ फुट लंबी सरिया बच्चे की गर्दन से घुसकर मुंह और ऊपरी जबड़े तक जा पहुंची। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जटिल शल्यक्रिया कर सरिया निकालकर बच्चे की जान बचाई। हादसा सकीट थाना क्षेत्र के बाबली गांव में हुआ। बच्चा अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह निर्माणाधीन मकान के कॉलम में खुली पड़ी सरिया पर गिर गया। सरिया शरीर में गहराई तक फंस गई थी, इसलिए उसे मौके पर निकालना संभव नहीं था। परिजनों और ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए पहले सरिया को काटा और बच्चे को एटा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। इसके बाद उसे अरुणा नगर स्थित मैक्सिलोफैशियल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार सरिया गर्दन से होकर मुंह और ऊपरी जबड़े को चीरते हुए निकली थी। हादसे में बच्चे के दो से तीन दांत टूट गए और जबड़े की हड्डी में मामूली चोट आई। चिकित्सकों ने बेहद सावधानी से शल्यक्रिया कर सरिया बाहर निकाली। इसके बाद बच्चे को गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती किया गया। फिलहाल बच्चे का उपचार जारी है और उसकी हालत पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है। हादसे ने निर्माणाधीन मकानों में खुली पड़ी सरियों से होने वाले खतरे को भी उजागर किया है। ऐसी जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से बच्चों के साथ गंभीर हादसे हो सकते हैं।

यूपी-112 पीआरवी कर्मियों, 12 घंटे की जगह 8 घंटे की होगी शिफ्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यूपी-112 के पुलिस रिस्पॉन्स वाहन पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की जा रही है। मौजूदा दो शिफ्ट की व्यवस्था के स्थान पर अब आठ-आठ घंटे की तीन शिफ्ट लागू करने का प्रस्ताव है। इससे पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के बीच पर्याप्त आराम मिल सकेगा और उनकी कार्यक्षमता बेहतर होने की उम्मीद है। यूपी-112 मुख्यालय ने पुलिस आयुक्तालयों और जिलों से प्रस्ताव का आकलन कर स्थानीय जरूरत के अनुसार निर्णय लेने को कहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पीआरवी कर्मचारियों की थकान कम करना और आपातकालीन कॉल पर उनकी सतर्कता तथा त्वरित प्रतिक्रिया को बेहतर बनाना है। यूपी-112 सेवा चौबीसों घंटे संचालित होती है। ऐसे में पीआरवी पर तैनात कर्मचारियों का हर समय सतर्क रहना जरूरी है। हाल ही में आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा से जुड़े कर्मचारियों को नई व्यवस्था और तकनीक के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया था। प्रशिक्षण के दौरान कई जिलों के अधिकारियों ने सुझाव दिया कि चार पहिया पीआरवी पर तैनात कर्मचारियों की ड्यूटी अवधि आठ घंटे की जानी चाहिए। अधिकारियों का मानना है कि कम अवधि की शिफ्ट से कर्मचारियों को पर्याप्त आराम मिलेगा और वे ड्यूटी के दौरान अधिक सतर्कता व बेहतर कार्यक्षमता के साथ लोगों की मदद कर सकेंगे। फिलहाल आठ घंटे की तीन शिफ्ट की व्यवस्था लागू करने का अंतिम निर्णय स्थानीय जरूरतों और उपलब्ध पुलिस बल के आकलन के बाद लिया जाएगा।

सत्य निकेतन हादसे पर दिल्ली सरकार का बड़ा एक्शन, पांच अधिकारी निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत गिरने के मामले में दिल्ली सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम ने दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त समेत पांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई घायल अस्पताल में भर्ती हैं। निलंबित अधिकारियों में दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त राकेश कुमार, रणवीर सिंह, ललित कुमार गोयल, सुनील चौहान और कनिष्ठ अभियंता आशीष कुमार शामिल हैं। सरकार ने हादसे की जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही की जांच के तहत यह कार्रवाई की है।

इमारत मालिक की तलाश के लिए 10 टीमें

पुलिस ने इमारत के मालिक हरिराम बंसल की गिरफ्तारी के लिए 10 अलग-अलग टीमें गठित की हैं। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए जाने के बाद तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस की टीमें दिल्ली के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। इन टीमों में स्थानीय जिला पुलिस और विशेष स्टाफ के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हैं। सभी टीमों की निगरानी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। पुलिस ने हरिराम बंसल और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रारंभिक जांच के अनुसार इमारत का इस्तेमाल किराएदारों के रहने के लिए किया जा रहा था और तहखाने में मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के बाद बचाव अभियान चलाकर अब तक 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। वहीं मलबे में फंसे अन्य लोगों की तलाश जारी है। प्रशासन ने मामले में जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया है।

सत्य निकेतन हादसे का आरोपी इमारत मालिक हरिराम गुप्ता भिवाड़ी से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को बहुमंजिला इमारत गिरने के मामले में पुलिस ने उसके मालिक हरिराम गुप्ता को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद से ही वह फरार था। पुलिस की टीम उसे दिल्ली लेकर आ रही है, जहां उससे हादसे और इमारत के संचालन को लेकर पूछताछ की जाएगी। इमारत गिरने के बाद पुलिस ने हरिराम के पालम विहार स्थित आवास पर दबिश दी थी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने उसके करीबियों और सहयोगियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। मानवीय सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को उसके भिवाड़ी में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शुरुआती दस्तावेजों में हरिराम का नाम अलग-अलग दर्ज होने से उसकी पहचान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस के अनुसार उसका वास्तविक नाम हरिराम गुप्ता है। दिल्ली लाकर होगी पूछताछ पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि हादसे के बाद हरिराम क्यों फरार हुआ, इमारत में चल रहे पीजी का संचालन कौन कर रहा था और इस काम में उसके साथ कौन-कौन लोग जुड़े थे। उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद पुलिस उसे अदालत में पेश कर हिरासत में लेकर पूछताछ की मांग कर सकती है। जांच में यह भी सामने आया है कि हरिराम के नाम दिल्ली में कई अन्य इमारतें हैं। पुलिस अब इन इमारतों की भी जांच करेगी कि वहां पीजी संचालित किए जा रहे हैं या नहीं और भवनों में जरूरी अनुमति तथा सुरक्षा इंतजाम मौजूद हैं या नहीं। 6 सितंबर को सत्य निकेतन में एक बहुमंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई थी। इमारत में पीजी संचालित होने की जानकारी सामने आई है। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव अभियान के साथ पुलिस की जांच भी जारी है।

फैक्ट्री में 20 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का आरोप, 66 वर्षीय ठेकेदार गिरफ्तार

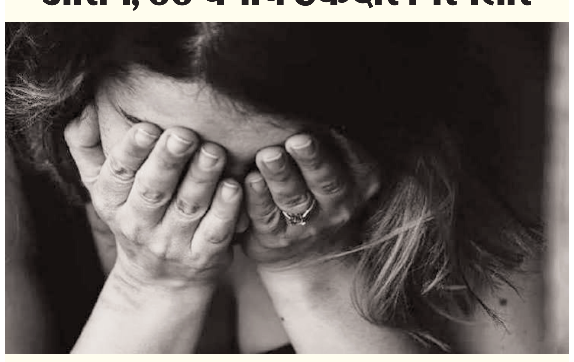

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के खेरा खुर्द इलाके में कूलर की घास बनाने वाली एक फैक्ट्री में 20 वर्षीय महिला से कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 66 वर्षीय श्रमिक ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश की रहने वाली महिला करीब एक महीने से फैक्ट्री में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। पुलिस के अनुसार घटना 1 सितंबर की रात करीब 11 बजे फैक्ट्री परिसर में हुई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी ठेकेदार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। प्रारंभिक जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

जांच में वीडियो सामने आने से बढ़ी अहमियत

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फैक्ट्री में महिला के साथ काम करने वाले एक व्यक्ति ने कथित घटना का वीडियो बनाया था। पुलिस वीडियो और उससे जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय फैक्ट्री परिसर में कौन-कौन लोग मौजूद थे। साथ ही घटना से जुड़े अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी से पूछताछ जारी है।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारी तेज, दिल्ली की सड़कों को मिलेगा नया रूप; सफाई व्यवस्था हाई अलर्ट पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर राजधानी दिल्ली में तैयारियां तेज हो गई हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने सम्मेलन के दौरान साफ-सफाई और व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। सफाई व्यवस्था पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। करीब 300 सफाई कर्मचारी रात की पाली में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई करेंगे। इसके अलावा 10 यांत्रिक सड़क सफाई मशीनें भी तैनात की गई हैं। प्रमुख बाजारों में तीन पालियों में सफाई सम्मेलन को देखते हुए नई दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में सुबह,

शाम और रात तीन पालियों में सफाई की जा रही है। सड़कों से कचरा हटाने, कूड़ेदान और कचरा ढोने वाली ट्रॉलियों को खाली करने के साथ घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था भी तेज की गई है। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने के निर्देश दिए गए हैं। नियंत्रण कक्ष से पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है।

11 सितंबर को स्कूलों में अवकाश

ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली में 11 सितंबर को सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश रहेगा। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को शामिल किया गया है। सड़कों की मरम्मत और सजावट पर जोर सम्मेलन के दौरान दिल्ली आने वाले विदेशी मेहमानों को बेहतर माहौल देने के लिए प्रमुख मार्गों का रूप बदला जा रहा है। एयरपोर्ट से नई दिल्ली क्षेत्र को जोड़ने वाली सड़कों पर कर्ब स्टोन बदले जा रहे हैं। भारत मंडपम्, लुटियंस दिल्ली, द्वारका लिंक रोड और रिंग रोड सहित प्रमुख मार्गों पर की मरम्मत का काम चल रहा है। एयरपोर्ट से धौला कुआं मार्ग पर जेब्रा क्रॉसिंग, लेन और रुकने की रेखाओं को दोबारा रंगा जा रहा है। वहीं प्रमुख सड़कों, चौराहों और फुटपाथों पर पौधे, मौसमी फूल और सजावटी गमले लगाए जा रहे हैं। सम्मेलन की थीम से जुड़े होर्डिंग और सजावटी कलाकृतियां भी लगाई जाएंगी।

कार का बोनट खोला तो अंदर दिखा 7 फीट लंबा अजगर, मुंबई के दहिसर में मचा हड़कंप

रिहायशी इमारत की पार्किंग में खड़ी कार के बोनट में छिपा था अजगर, रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला; जांच के बाद राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दहिसर पश्चिम के कांदरपाड़ा इलाके में रविवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब रिहायशी इमारत की पार्किंग में खड़ी एक कार के बोनट के अंदर करीब सात फीट लंबा अजगर कुंडली मारकर बैठा मिला। कार के मालिक ने जैसे ही बोनट खोला, अंदर विशाल अजगर को देखकर उसके होश उड़ गए। अचानक इतने बड़े सांप को कार के इंजन वाले हिस्से में देखकर आसपास मौजूद लोग भी घबरा गए। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए पार्किंग में अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, यह मामला बापू बागवे रोड स्थित महेश्वर बिल्डिंग की पार्किंग का है। रविवार शाम एक कार पार्किंग में खड़ी थी। किसी काम से कार का बोनट खोला गया तो अंदर एक बड़ा अजगर दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों को समझ नहीं आया कि आखिर इतनी बड़ी लंबाई वाला अजगर कार के बोनट के अंदर पहुंचा कैसे। जब लोगों ने ध्यान से देखा तो अजगर इंजन के आसपास के हिस्से में कुंडली मारकर बैठा हुआ था। उसके विशाल आकार को देखकर आसपास खड़े लोगों में डर का माहौल पैदा हो गया। अजगर को देखकर लोगों ने तुरंत उसे पकड़ने वाली रेस्क्यू टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। अजगर के कार के अंदर गहराई में फंसे होने के कारण उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। रेस्क्यू टीम ने बेहद सावधानी के साथ कार के बोनट के अंदर से अजगर को निकालने की प्रक्रिया शुरू की। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए कहा गया, ताकि रेस्क्यू के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। करीब सात फीट लंबे अजगर को कार से बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अजगर इंजन वाले हिस्से में इस तरह से फंसा हुआ था कि उसे अचानक बाहर निकालना संभव नहीं था। टीम ने धीरे-धीरे और पूरी सावधानी के साथ उसे बाहर निकाला। काफी प्रयास के बाद अजगर को सुरक्षित तरीके से कार के बोनट से बाहर निकाल लिया गया। अजगर के बाहर आते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। पूरे रेस्क्यू अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे। कार के बोनट के अंदर से अजगर को बाहर निकालने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में विशाल अजगर कार के बोनट के अंदर कुंडली मारे हुए दिखाई दे रहा है। अजगर को देखकर लोगों की हैरानी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सामान्य तौर पर कार के बोनट के अंदर छोटे जीव या सांप दिखाई देने की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन इतना बड़ा अजगर कार के अंदर छिपा मिले तो यह किसी के लिए भी चौंकाने वाला अनुभव था। रेस्क्यू टीम ने अजगर को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद उसकी चिकित्सकीय जांच भी कराई। जांच के दौरान उसके स्वास्थ्य और शरीर पर किसी तरह की चोट की स्थिति देखी गई। जांच के बाद अजगर को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और बाद में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ दिया गया। इस तरह रेस्क्यू टीम की

सावधानी और समय पर मिली सूचना के कारण अजगर को भी सुरक्षित बचा लिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रिहायशी इलाके में इस तरह का विशाल अजगर दिखाई देना अपने आप में हैरान करने वाला था। खास तौर पर उसका कार के बोनट के अंदर पहुंच जाना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। लोगों को आशंका है कि आसपास मौजूद हरियाली या खुले इलाकों से अजगर कार के नीचे या किसी रास्ते से होते हुए बोनट के अंदर पहुंचा होगा। हालांकि वह कार के अंदर कैसे पहुंचा, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में कार स्टार्ट करने या बोनट खोलने से पहले सावधानी बरतने को लेकर भी चर्चा होने लगी। खासकर ऐसे इलाकों में जहां आसपास पेड़-पौधे, खाली जमीन या हरियाली अधिक हो, वहां वाहन के आसपास किसी जीव-जंतु के छिपे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस घटना ने एक बार फिर यह भी दिखाया कि वन्यजीव रिहायशी इलाकों के आसपास किस तरह पहुंच सकते हैं। फिलहाल अजगर को सुरक्षित रूप से संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ दिया गया है। वहीं, कार के बोनट में सात फीट लंबे अजगर के मिलने की यह घटना दहिसर के कांदरपाड़ा इलाके में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला और भी लोगों का ध्यान खींच रहा है।

अमृता फडणवीस के कार्यक्रम के लिए रोका ट्रैफिक, हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाई महिला- इमरजेंसी है, प्लीज मुझे जाने दीजिए

कैंसर जागरूकता अभियान के दौरान सड़क पर फंसी महिला ने डेढ़ घंटे इंतजार के बाद की रास्ता देने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। क्वींस ड्राइव क्लब की ओर से मुंबई में आयोजित कैंसर जागरूकता अभियान के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में वह 'क्वींस ड्राइव क्लब 6.0 सुपरकार रैली' को हरी झंडी दिखाने पहुंची थीं। कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था के चलते सड़क पर यातायात रोक दिया गया था। इसी दौरान एक महिला वहां पहुंची और रास्ता देने की गुहार लगाने लगी। महिला ने बताया कि उसके घर में आपात स्थिति है और वह करीब डेढ़ घंटे से यातायात में फंसी हुई है। वह हाथ जोड़कर रोते हुए सुरक्षाकर्मियों और वहां मौजूद लोगों से अपनी कार को निकलने देने की अपील करती नजर आई। महिला बार-बार कहती रही कि उसके घर में आपात स्थिति है और उसे तुरंत निकलना है। वीडियो में वह हाथ जोड़कर रास्ता देने की गुहार लगाती दिखाई दे रही है। महिला की अपील के बावजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पीछे कर दिया और उसे तत्काल रास्ता नहीं मिल सका। अमृता फडणवीस पर उठे सवाल घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने वीआईपी कार्यक्रमों के दौरान यातायात रोकने की व्यवस्था पर सवाल उठाए। कुछ लोगों ने अमृता फडणवीस की मौजूदगी में महिला को रास्ता नहीं मिलने को लेकर भी आलोचना की। हालांकि, वीडियो के आधार पर महिला की बताई आपात स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

राहुल गांधी और स्वरा भास्कर पर भी बोलीं अमृता

कार्यक्रम के दौरान अमृता फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर कहा कि विपक्ष को ऐसे मुद्दे उठाने चाहिए, जिनका सीधा संबंध जनता से हो। उन्होंने अभिनेत्री स्वरा भास्कर के हालिया बयान पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए आत्मसम्मान महत्वपूर्ण है और आज कानून-व्यवस्था के लिए न्यायालय तथा पुलिस जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं।

शिवाजी-अंबेडकर और फुले के साथ नहीं लग सकती पीएम मोदी की फोटो, पुणे कॉलेज मामले पर बोले राज ठाकरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने पुणे के एक कॉलेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हटाए जाने के मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुषों की कतार में किसी और को नहीं रखा जा सकता। ठाणे के श्री गडकरी रंगायतन में पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी दफ्तरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाई जानी चाहिए, लेकिन महापुरुषों के साथ वाली दीवार पर नहीं। दरअसल, 31 अगस्त को मनसे नेता अमित ठाकरे की मौजूदगी में पुणे के एक कॉलेज से पीएम मोदी की तस्वीर हटाई गई थी। कॉलेज प्रशासन की शिकायत के बाद अमित ठाकरे समेत 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। विवाद बढ़ने के बाद कॉलेज प्रशासन ने तस्वीर को दोबारा उसी स्थान पर सम्मान के साथ लगा दिया था। भाजपा ने इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी के नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। राज ठाकरे ने सरकार पर साधा निशाना राज ठाकरे ने कहा कि लोगों को धर्म के नाम पर कट्टर बनाया जा रहा है, ताकि उनका ध्यान बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसे मुद्दों से हटाया जा सके। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि कई विदेशी कंपनियां भारत से अपना कारोबार बंद कर चुकी हैं और बड़ी संख्या में उद्योगपति देश छोड़कर गए हैं।डीजे विवाद पर फडणवीस को घेरा राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में डीजे और डॉल्बी प्रणाली के इस्तेमाल को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर नागपुर में डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया है तो पूरे महाराष्ट्र में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने लोगों से आगामी गणेशोत्सव के दौरान सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि धार्मिक मुद्दों में उलझने के बजाय बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

सोने-चांदी की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव आया है। इन दोनो कीमती धातुओं में आज हल्की नरमी आई। आज 24 कैरेट सोने की कीमतें करीब 1,52,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, बुलियन बाजार में 24 कैरेट सोना लगभग 1,53,340 रुपये प्रति 10 ग्राम बताया गया है। हालांकि, खुदरा बाजार मेंकीमतों में महत्वपूर्ण अंतर देखा जा रहा है। देश के प्रमुख शहरों की बात करें तो, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,54,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 1,16,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है। मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में 24 कैरेट सोना करीब 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में यह आंकड़ा बढ़कर 1,56,670 रुपये तक पहुंच गया है, जो अन्य शहरों से थोड़ा अधिक है।इसके अलावा चांदी की कीमतों में भी आज हल्की नरमी आई है। आज चांदी लगभग 2,37,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले कारोबारी सत्र में 2,37,658 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। खुदरा बाजार में चांदी का भाव शहर दर शहर बदलता है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में चांदी करीब 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। वहीं, चेन्नई सहित कुछ अन्य शहरों में इसका भाव 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति का गहरा असर पड़ता है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, डॉलर की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारण इन कीमती धातुओं के भाव को लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतों में तेजी आई है। ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आई है। इसी कारण ब्रेंट क्रूड करीब 0.6 फीसदी बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल में भारी तेजी आई है। इसमें ब्रेंट लगभग 7.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई लगभग 10 फीसदी महंगा हुआ था। इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास तेल टैंकरों पर हुए जवाबी हमले हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा तेज हुए हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही काफी कम हो गई है। , पिछले 10 दिनों में औसतन सिर्फ 10 कमोडिटी जहाज रोजाना इस जलडमरूमध्य से गुजरे हैं, जो मई के बाद का सबसे निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव आगे और बढ़ने की आशंका है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है। यदि जहाजों की आवाजाही पर और अधिक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति पर और दबव पड़ेगा जिससे कीमतें और बढ़ेगी। इस बीच, रविवार को हुई बैठक में ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह) ने अक्टूबर के लिए अपनी तेल उत्पादन नीति में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे बाजार को कोई राहत नहीं मिली। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहने की आशंका ज्यादा है, जिसमें सीमित सैन्य कार्रवाई भी जारी रह सकती है। उनका अनुमान है कि 2026 के बाकी महीनों में पश्चिम एशिया से तेल निर्यात पर दबाव बना रह सकता है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार

बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली।

बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे।

सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सोयाबीन इंदौर तेल भी 150 रुपए टूटकर 15,400 और सोयाबीन डीगम 200 रुपए गिरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने और दूसरे खाद्य तेलों की तुलना में पाम तेल सस्ता होने से सीपीओ और पामोलीन के भाव मजबूत हुए। सीपीओ 150 रुपए बढ़कर 14,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली 150 रुपए बढ़कर 16,000 रुपए और पामोलीन एक्स-कांडला 100 रुपए बढ़कर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से बिनौला तेल 400 रुपए गिरकर 16,500 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

दूसरी ओर सरसों दाना 8,300-8,350 रुपए और सरसों तेल दादरी 16,800 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपए और 2,735-2,885 रुपए प्रति 15 किलो टिन पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन 7,350-7,925 रुपए, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपए प्रति टिन पर स्थिर रहे।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डॉलर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डॉलर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ लगभग 94.39 से 94.47 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ईरान अमेरिका तनाव भी दबाव के कारण भी रुपया गिरा है। शेयर बाजार की गिरावट का प्रभाव भी भी रुपये पर आया है। वहीं पिछले कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 382, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक नीचे आकर 76,132.81 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 118.55 अंक टूटकर 23,779.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के सत्र में कुल 4729 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से ज्यादा थी। 2470 शेयरों में लाल निशान पर कारोबार समाप्त हुआ, जबकि 2018 शेयरों में तेजी रही। वहीं 241 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी लाइफ के शेयर रहे जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, एलएंडटी, कोल इंडिया और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही। फार्मा सेक्टर ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जो बढ़त के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में बदलाव नहीं हुआ। ये बाजार में बिकवाली के दबाव को दिखाता है। बाजार में इस गिरावट के पीछे । वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ी वजह बनकर उभरी, जो 0.78 प्रतिशत बढ़कर 97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ाती हैं, जिसका असर शेयर बाजारों पर पड़ना स्वाभाविक है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे, जबकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला - दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई बढ़त में रहे, लेकिन शंघाई और हांगकांग के सूचकांक लाल निशान पर थे।विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार दूसरे सत्र में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया।

शुक्रवार को विदेशी निवेशकोंने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,111.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला था। सुबह सेंसेक्स 133.65 अंक की गिरावट के साथ 76,381.78 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी50 भी 47.30 अंक नीचे आकर 23,850.40 के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

बिटकॉइन 26 फीसदी चढ़कर 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया

नई दिल्ली,

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमत करीब 7.6 फीसदी और चांदी की कीमत करीब 6 फीसदी बढ़ी है। वहीं बिटकॉइन करीब 26 फीसदी चढ़कर दोबारा 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया है। हालांकि, अब इन परिसंपत्तियों की तेजी के सामने अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी बड़ी चुनौती बन सकती है। सीएमई फेडवॉच के मुताबिक बाजार में इस साल के आखिर तक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की करीब 58 फीसदी संभावना जताई जा रही है। एक महीने पहले यह अनुमान करीब 45 फीसदी था। ब्याज दर बढ़ने पर अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड और डॉलर मजबूत हो सकते हैं। ऐसे में बिना ब्याज देने वाले सोने और चांदी की तुलना में बॉन्ड निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। बिटकॉइन जैसी जोखिम वाली परिसंपत्तियों पर भी ऊंची ब्याज दरों का दबाव पड़ सकता है।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सोने की स्थिति कुछ अलग हो सकती है। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी के मुताबिक सोने और चांदी को अभी भी मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है, लेकिन फेड का सख्त रुख निकट अवधि में कीमतों के लिए चुनौती बन सकता है। केंद्रीय बैंक भी सोने की मांग को सहारा दे रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई तक केंद्रीय बैंकों ने करीब 130 टन सोना खरीदा है। चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार अपने स्वर्ण भंडार में इजाफा कर रहे हैं।

रसोई गैस के सिलेंडर की कीमतें स्थिर, पर व्यावसायिक सिलेंडर महंगा हुआ

नई दिल्ली । रसोई गैस के उपभोक्ताओं के लिए सोमवार को एक मिश्रित खबर सामने आई है। जहां एक ओर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे लाखों परिवारों को तत्काल राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह स्थिति विभिन्न आर्थिक वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर डालेगी, खासकर उन कारोबारियों के लिए जिनकी ईंधन लागत सीधे तौर पर उनके उत्पादों और सेवाओं की कीमत को प्रभावित करती है।दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर आज भी 942 रुपये में उपलब्ध है, इसकी कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, यह राहत सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित है। होटल, रेस्तरां, ढाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में वृद्धि हुई है। दिल्ली में अब यह सिलेंडर 2747.50 रुपये का मिलेगा, जबकि पिछले महीने इसकी कीमत 2738 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति सिलेंडर 9.50 रुपये की मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर इन व्यवसायों की परिचालन लागत को बढ़ाएगी।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को होने की संभावना

-12 सितंबर को होने वाली थी यह बैठक, ब्रिक्स सम्मेलन के कारण टाली

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में हो सकती है। पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन के कारण इसे टाल दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अभी नई तारीख की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जीएसटी अधिकारियों की तैयारी के लिए 5 और 6 अक्टूबर को बैठकें होंगी। पहली बैठक 5 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे और दूसरी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी।यह एक साल से ज्यादा समय बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। पिछली बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को हुई थी। इसमें जीएसटी व्यवस्था में बड़े बदलाव को मंजूरी दी गई थी। इन बदलावों के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 और 18 फीसदी की दो मुख्य कर दरों में रखा गया था। कुछ महंगी और ज्यादा कर वाली वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की विशेष दर भी तय की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में होने वाली बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिफंड और जीएसटी अनुपालन से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कुछ मामलों में आईटीसी के दावे से जुड़ी पाबंदियों को आसान करने और उलटी शुल्क संरचना के कारण जमा हो रहे क्रेडिट की समस्या दूर करने के प्रस्तावों पर भी विचार हो सकता है।

पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 के भाव पर खुला, निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान

-शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन और माधुरी दीक्षित का भी इसमें लगा है पैसा

नई दिल्ली,।

पर्पल स्‍ टाइल लैब्‍ स शेयर की स्‍ टॉक मार्केट में शुरुआत फीकी रही है। एनएसई और बीएसई पर यह शेयर करीब 7 फीसदी के डिस्‍ काउंट पर लिस्‍ ट हुआ है। पर्पल स्‍ टाइल लैब्‍ स का शेयर 535 रुपए के भाव पर खुला। यह 575 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस से 6.96 फीसदी कम है यानी हर शेयर पर आईपीओ निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 539 पर लिस्ट हुआ जो इश्यू प्राइस के मुकाबले 6.26 फीसदी की गिरावट दिखाता है।रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर और माधुरी दीक्षित का भी पर्पल स्टाइल लैब्स में पैसा लगा है। लिस्टिंग के बाद पर्पल स्‍ टाइल लैब्‍ स का बाजार पूंजीकरण करीब 4,315.29 करोड़ हो गया। सोमवार सुबह पर्पल स्‍ टाइल लैब के शेयर ग्रे मार्केट में 2 फीसदी डिस्‍ काउंट पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा डिस्‍ काउंट पर हुई।पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ को 2 सितंबर को बंद हुआ था। इश्‍ यू 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसे रिटेल कैटेगरी में 1.66 गुना, क्युआईबी कैटेगरी में 1.50 गुना और एनआईआई कैटेगरी में 0.89 गुना बोलियां मिली थी। 680 करोड़ रुपए का यह आईपीओ पूरी तरह फ्रेश इश्यू था। इसका प्राइस बैंड 546 से 575 प्रति शेयर तय था। एक लॉट में 26 शेयर थे। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट के लिए बोली लगाना अनिवार्य था। अपर प्राइस बैंड के हिसाब से रिटेल निवेशकों ने इस आईपीओ में कम से कम 14,950 रुपए लगाए। हर लाट पर उन्‍ हें अब 1040 रुपए का नुकसान हुआ है। पर्पल स्‍ टाइल लैब्‍ स आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 75फीसदी, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए 15फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 10फीसदी कोटा आरक्षित था।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना

कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लॉन्च

नई दिल्ली।

मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है।

यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 फीसदी बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 फीसदी रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है।

इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत कई नई खूबियां हैं। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार में एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 फीसदी होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज व्हीकल के लिए करीब 37 से 38 फीसदी हिस्सेदारी ही बचेगी। बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह उद्योग करीब 63 लाख वाहनों का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा करीब 6 लाख वाहनों से बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।फिलहाल मारुति हर महीने करीब 16,000 से 16,500 बलेनो बेचती है।

उसकी फ्रॉन्क्स क्रॉसओवर की लगभग 17,000 से 18,000 गाड़ियां बिकती हैं। दोनों मॉडल एक ही प्रोडक्शन लाइन पर बनाए जाते हैं। साथ ही कंपनी दोनों मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि के आधार पर इनका उत्पादन घटाती-बढ़ाती है। कंपनी ने इस सप्ताहांत करीब 6.1 लाख रुपए से शुरू होने वाली नई बलेनो बाजार में उतारेगी।

नई बलेनो में एडीएएस के साथ ह्यूमन डिटेक्शन की सुविधा भी मिलेगी। बनर्जी के मुताबिक प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में ऐसा पहली बार हो रहा है।

एनएसई ने किया शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव

-अब सुबह 9 से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट के लगा सकेंगे ऑर्डर

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक चलने वाले प्री-ओपन सेशन के दौरान ऑर्डर लगाने, बदलने और रद्द करने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। यह व्यवस्था इक्विटी कैश मार्केट के सभी शेयरों के साथ एसएमई शेयर, इनविट्स, रीट्स और डेरिवेटिव सेगमेंट पर भी लागू होगी। सबसे बड़ा बदलाव शुरुआती पांच मिनट में किया। अब सुबह 9 बजे से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर लगा सकेंगे। इस दौरान ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द करने की भी सुविधा होगी। पहले यह समय सुबह 9 बजे से 9:08 बजे तक था।

रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9:05 से 9:10 बजे के बीच नए लिमिट ऑर्डर लगाए जा सकेंगे। पहले लगाए गए लिमिट ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द किया जा सकेगा, लेकिन मार्केट ऑर्डर को बदलने या रद्द करने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि के आखिरी दो मिनट में सिस्टम अचानक ऑर्डर लेना बंद कर सकता है। ऐसे में ट्रेडर्स के लिए समय पर फैसला लेना जरूरी होगा। सुबह 9:10 से 9:12 बजे तक ऑर्डर मैच किए जाएंगे और इसी प्रक्रिया के आधार पर शेयरों की शुरुआती कीमत तय होगी। इसके बाद 9:12 से 9:15 बजे तक बफर पीरियड रहेगा और फिर सुबह 9:15 बजे सामान्य कारोबार शुरू होगा।

एनएसई के मुताबिक ओपनिंग प्राइस मांग और आपूर्ति के आधार पर तय की जाएगी। इसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यानी वह कीमत चुनी जाएगी, जिस पर सबसे ज्यादा शेयरों की खरीद-बिक्री संभव हो। अगर कई कीमतों पर समान मात्रा में कारोबार संभव हो, तो खरीद और बिक्री के ऑर्डर के बीच सबसे कम अंतर वाली कीमत को प्राथमिकता मिलेगी। इसके बाद भी स्थिति बराबर रहने पर पिछले कारोबारी दिन की क्लोजिंग कीमत के सबसे करीब वाली कीमत को शुरुआती कीमत माना जाएगा। नई व्यवस्था के बाद बाजार खुलने से पहले के शुरुआती पांच मिनट ट्रेडर्स के लिए खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि इस दौरान रातभर आई खबरों और वैश्विक बाजारों की हलचल के आधार पर ऑर्डर तेजी से बदल सकते हैं।

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फुहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियां से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेंदे नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।

जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंग्शुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंग्शुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पींस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

यूएस ओपनः एम्स नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे।

हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू

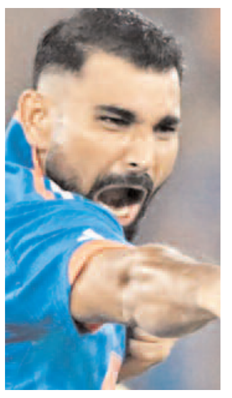

क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

मैंने हमेशा खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।'' अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।''

मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाया

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।' उन्होंने आगे कहा, ''कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।''

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में नवाजुद्दीन के साथ स्टेज शेयर किया

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।' अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, 'आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।'

..अब महिला कलाकारों की बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती

मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद यह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।' मेघना ने आगे कहा, 'वह मां हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही है। उसकी जिंदगी की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।' मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, 'पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले 'बेचारी' कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।'

'हीरो की हॉररइन' में नितांशी के साथ नजर आएंगे यशवर्धन

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यशवर्धन की पहली फिल्म का नाम 'हीरो की हॉररइन' है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसे एकता कपूर और अमर बुटाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन साजिद खान करेंगे। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि यशवर्धन के साथ उनकी मां और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी नजर आएंगी। फिल्म में यशवर्धन की जोड़ी 'लापता लेडीज' फेम एक्ट्रेस नितांशी गोयल के साथ बनाई गई है। नितांशी को आमिर खान की फिल्म 'लापता लेडीज' से खास पहचान मिली थी। 'हीरो की हॉररइन' में उनके और यशवर्धन के बीच रोमांस के साथ-साथ कॉमेडी और हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा। मेकर्स ने फिल्म को ऐसे अंदाज में तैयार किया है, जिसमें डर के साथ हंसी और रोमांस भी कहानी का हिस्सा होंगे। यशवर्धन और नितांशी की जोड़ी भी फिल्म की खासियतों में से एक है। दोनों पहली बार बड़े परदे पर साथ दिखाई देंगे। फिल्म में सिर्फ यशवर्धन और नितांशी ही नहीं, बल्कि कई जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे। जिनमें जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा जैसे कलाकार शामिल हैं।

तृषा की अगली फिल्म में साथ होंगी राधिका सरतकुमार

तृषा कृष्णन, राधिका सरतकुमार और अपर्णा बालमुरली लंदन में एक नई साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की शूटिंग में जुट गई हैं। जानिए फिल्म की कहानी और रिलीज डेट को लेकर पूरी जानकारी। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी कहानी पूरी तरह महिलाओं के इर्द-गिर्द होगी। इसमें तृषा, राधिका और अपर्णा अलग-अलग पीढ़ियों की तीन शानदार एक्ट्रेसेस के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लंदन में हो रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में सिर्फ डर और हॉरर दिखाने के बजाय साइकोलॉजिकल टेंशन, रहस्य और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए डायरेक्टर राजा कृष्ण मेनन तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राजा कृष्ण मेनन इससे पहले 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के साथ वह एक बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने के साथ-साथ पहली साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म भी है।

27 नवंबर को रिलीज होगी इमरान की 'गनमास्टर जी9'

फिल्म 'आवारापन 2' के बाद इमरान हाशमी की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अब 'गनमास्टर जी9' में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट भी लॉक कर दी गई है। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के लिए इमरान, निर्देशक आदित्य दत्त और संगीतकार हिमेश रेशमिया करीब दो दशक बाद फिर साथ आए हैं। इमरान के लिए 'गनमास्टर जी9' इसलिए भी खास है क्योंकि यह 'आवारापन 2' के बाद उनकी अगली बड़ी रिलीज होगी। 'आवारापन' फ्रेंचाइज से गंभीर किरदार में दिखने के बाद अब एक्शन जॉनर में दिखाई देंगे। फिल्म में इमरान के साथ जेनेलिया और अपारशक्ति भी नजर आएंगे 'गनमास्टर जी9' में इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इसका निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। इसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और हिमेश रेशमिया इससे पहले 'सनम तेरी कसम' और 'जीनियस' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए साथ काम कर चुके हैं। 'गनमास्टर जी9' के साथ यह सहयोग एक बार फिर बड़े परदे पर देखने को मिलेगा।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने दी बड़ी अपडेट

'3 इडियट्स' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के रिलीज होने के लगभग दो दशक बाद निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इसके संभावित सीक्वल के बारे में एक बड़ी जानकारी दी है। हिरानी ने कंफर्म किया कि वह और उनकी राइटिंग टीम एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो किरदारों को वापस ला सकती है। '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने काम किया था।

3 इडियट्स को लेकर बोले हिरानी?

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम चल रहा है लेकिन फिल्ममेकर इसकी डिटेल्स बताने की जल्दी में नहीं हैं। राजकुमार हिरानी ने एएनआई से कहा 'हम इस पर काम कर रहे हैं। जब प्रोजेक्ट सही स्टेज पर होगा, तब टीम इस पर चर्चा करेगी।' उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि कास्ट वही रहेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इसमें वापसी करेंगे। हिरानी ने साफ किया कि प्रोजेक्ट अभी भी राइटिंग स्टेज में है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह कभी बनेगा भी या नहीं। उन्होंने कहा 'हम तभी आगे बढ़ेंगे जब राइटिंग सही से हो जाएगी। हम इसे तभी बनाएंगे जब सब कुछ ठीक से हो जाएगा, वरना नहीं बनाएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया है। अगर हम उसके लेवल तक नहीं पहुंच पाए, तो कोई फायदा नहीं है।'

कहानी पर नहीं आई कोई जानकारी

हिरानी ने कन्फर्म किया कि 'कास्टिंग वही रहेगी', जिससे ओरिजिनल एक्टर्स की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो सकती हैं। हालांकि फिल्ममेकर ने अभी तक पूरी कास्ट की घोषणा नहीं की है और न ही किरदारों की कहानी के बारे में कोई जानकारी दी है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (मंगलवार) 08 सितंबर 2026

जौहर कायरता नहीं बल्कि वीरता और समर्पण है, तुम क्या जानो संस्कृति और मर्यादाएँ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर/नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बाबा बागेश्वर) और बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर के बीच विचारधारा की जंग शुरू हो गई है। भारतीय इतिहास और 'जौहर' की प्रथा पर स्वरा भास्कर के विवादित कमेंट्स के बाद बाबा बागेश्वर तीखे तेवर में आ गए हैं। उन्होंने स्वरा भास्कर को आड़े हाथों लिया है और साफ शब्दों में उन्हें संस्कृति और मर्यादाओं का पाठ पढ़ाया है। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने 'जौहर' (रानी पद्मावती और हजारों राजपूतों द्वारा अपने सम्मान, शान और शान के लिए दिया गया आत्म-बलिदान) पर सवाल उठाते हुए एक बयान दिया था। इस बयान से हिंदू संगठनों और इतिहासकारों में काफी गुस्सा है। बाबा बागेश्वर का कड़ा जवाब धीरेंद्र शास्त्री ने इस बयान पर कड़ा हमला किया और कहा कि जिन्हें भारतीय सनातन संस्कृति और परंपराओं का ज्ञान नहीं है, वही ऐसे बकवास बयान दे सकते हैं। 'जौहर' विवाद और आमने-सामने के हमले स्वरा भास्कर का स्टैंड 7 उन्होंने जौहर जैसी प्रथाओं पर सवाल उठाकर विवादित टिप्पणी की। बाबा बागेश्वर का जवाब 7 जौहर कायरता नहीं बल्कि स्वाभिमान और वीरता का सर्वोच्च बलिदान था। तिहास और सीमाएं 7 विदेशी हमलावरों से अपनी पवित्रता की रक्षा के लिए सनत का ऐतिहासिक फैसला। सोशल रिएक्शन 7 राजपूत समुदाय और सनत धर्मगुरुओं का स्वरा भास्कर का विरोध। बाबा बागेश्वर ने आगे चेतावनी दी कि भारतीय इतिहास के महान बलिदानों को कम आंकने की कोशिश करना एक फैशन बन गया है। कुछ बॉलीवुड कलाकार अपने एजेंडे के तहत सनातन परंपराओं और शहीदों का अपमान करने की कोशिश करते हैं, जिसे देश का सनातन समुदाय कभी स्वीकार नहीं करेगा। फिलहाल यह मुद्दा सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है और स्वरा भास्कर के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

गुजरात में सूखा घोषित करने के लिए 53 MLA को येसुदान गढ़वी का लेटर; गरमा गई पॉलिटिक्स!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कम बारिश और खेती पर मंडरा रहे गंभीर संकट के बीच आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष येसुदान गढ़वी ने बड़ा पॉलिटिकल और सोशल दांव खेला है। सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी गुजरात में पानी और चारे की खराब हालत को ध्यान में रखते हुए येसुदान गढ़वी ने इन तीनों इलाकों के सभी 53 को लेटर लिखकर कड़ी अपील की है। उन्होंने मांग की है कि सभी MLA अपनी पार्टीबाजी भूलकर एकमत होकर मुख्यमंत्री को गुजरात में ऑफिशियली 'सूखा' घोषित करने का प्रस्ताव दें। पार्टीबाज़ी छोड़कर किसानों के लिए एक हों: इसुदान की स्रू को चुनौती MLAs के हवाले से: BJP, कांग्रेस या AAP... पार्टी कोई भी हो, लेकिन सौराष्ट्र, कच्छ और नॉर्थ गुजरात के 53 MLAs को जनता ने चुना है, इसलिए किसानों के हक़ के लिए बोलना उनकी ज़िम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के सामने मांग: सभी 53 MLAs अकेले और मिलकर मुख्यमंत्री से मिलें और इन इलाकों को तुरंत 'सूखा प्रभावित' घोषित करने के लिए दबाव बनाएं। इसुदान गढ़वी के लेटर के मुख्य पॉइंट्स मुद्दा 7 डिटेल्स टारगेट एरिया 7 सौराष्ट्र, कच्छ और नॉर्थ गुजरात के सेंसिटिव ज़िले। कुल MLAs 7 सत्ताधारी और विपक्ष के 53 MLAs · ऑफिशियल लेटर। मुख्य मांग 7 राज्य में तुरंत 'सूखा' घोषित करना। उम्मीद की राहत 7 किसानों को फसल बीमा, कर्ज माफी, फसल खराब होने पर मुआवजा, मुफ्त बीज और चारा मिलेगा। येसुदान गढ़वी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि सिर्फ ऊपरी मदद या राहत पैकेज की घोषणाओं से किसानों का भला नहीं होगा। अगर सरकार कानूनी तौर पर इन इलाकों में सूखा घोषित करती है, तो ही नियमों के मुताबिक किसानों के बिजली बिल, खेती का कर्ज और दूसरे सरकारी टैक्स माफ किए जा सकते हैं। इसके अलावा, पशुपालकों के मवेशियों को बचाने के लिए मुफ्त चारा डिपो शुरू किए जा सकते हैं। अब सबकी निगाहें सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी गुजरात के इन 53 MLA पर हैं। क्या ये MLA अपनी-अपनी पार्टी लाइन से बाहर आकर किसानों की आवाज बनकर मुख्यमंत्री के सामने पेश होंगे? या वे जीसस के इस लेटर को पॉलिटिकल स्टंट बताकर खारिज कर देंगे? यह देखना बाकी है अब सबकी निगाहें सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी गुजरात के इन 53 स्रू पर हैं। क्या ये MLA अपनी-अपनी पार्टी लाइन से बाहर आकर किसानों की आवाज बनकर मुख्यमंत्री के सामने पेश होंगे? या वे जीसस के इस लेटर को पॉलिटिकल स्टंट बताकर खारिज कर देंगे? यह देखना बाकी है

देश की शान अब 'प्राइवेट लिमिटेड' हो गई है? मंगल ग्रह पर भी कॉर्पोरेट मॉल खुलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्पेस में भारत का दिग्गज ढ्ढस्त्रह्र अब मार्केट में 'सुपर सेल' के तहत आ रहा है। अगर प्राइवेट लंगूर रॉकेट और सैटेलाइट बनाएंगे, तो क्या देश के महान साइंटिस्ट, जो सालों से तपस्या कर रहे हैं, अब लंच ब्रेक में कैरम खेलेंगे या छत से पतंग उड़ाएंगे? आरोप हैं कि होमी भाभा और डॉ. विक्रम साराभाई जैसी महान हस्तियों ने, जिन्होंने दिन-रात साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोकर काम किया, उस संस्था को 'रिफॉर्म' और 'इम्प्रूवमेंट' के नाम पर प्राइवेट उद्योगपतियों की गोद में डालने की पॉलिसी बनाई जा रही है। सरकार का गणित काफी सीधा लगता है–खर्च देश का, टेक्नोलॉजी साइंटिस्ट की, और प्रॉफिट सीधे प्राइवेट खजाने में! अगर हम कल सुबह उठें और चांद पर 'प्राइवेट पार्किंग' और मंगल पर 'कॉर्पोरेट मॉल' के साइन देखें तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। सच में, देश आगे बढ़ रहा है–सीधे प्राइवेट हाथों में!

ISRO और प्राइवेटाइजेशन के भंवर की मुख्य स्थिति

इतिहास और विरासत 7 होमी भाभा और विक्रम साराभाई ने सरकारी रिसोर्स से ढ्ढस्त्रह्र को ईंट-ईंट करके बनाया। अभी की स्थिति 7 रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रोडक्शन प्राइवेट कंपनियों को सौंपने की तैयारी का विरोध। साइंटिस्ट्स की चिंताएं 7 ढ्ढस्त्रह्र एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने चेयरमैन को लेटर लिखकर अपनी नौकरी और भविष्य को लेकर चिंता जताई। ढ्ढस्त्रह्र और सरकार का पक्ष 7 ऑफिशियल सफाई के मुताबिक, ढ्ढस्त्रह्र का प्राइवेटाइजेशन नहीं हो रहा है, बल्कि इकोसिस्टम बढ़ रहा है। बढ़ती मीडिया रिपोर्ट्स और साइंटिस्ट्स की चिंताओं के बीच, ISRO और स्पेस प्रमोशन एजेंसी IN-SPACe ने साफ किया है कि यह प्राइवेटाइजेशन नहीं बल्कि 'स्पेस सेक्टर रिफॉर्म्स' है। सरकार का दावा है कि रूटीन रॉकेट बनाने का काम प्राइवेट सेक्टर करेगा ताकि ISRO के साइंटिस्ट सिर्फ़ एडवांस्ड रिसर्च और स्पेस मिशन पर फोकस कर सकें। अगर कॉर्पोरेट्स ISRO की सालों की मेहनत और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके करोड़ों का प्रॉफ़िट कमाएंगे तो देश को क्या मिलेगा देश के सरकारी संस्थानों और टैक्सपेयर्स के पैसे से बनी काबिलियत प्राइवेट कंपनियों को क्यों सौंपी जा रही है? अगर सारी मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशन प्राइवेट प्लेयर्स के हाथ में चले जाएंगे, तो सरकारी साइंटिस्ट और इंजीनियर्स का क्या रोल होगा? पूरे देश में इस बात पर हंगामा मचा हुआ है कि क्या देश की संपत्ति बेची जा रही है या असली डेवलपमेंट हो रहा है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में ढहाई गई मस्जिद के नीचे मिला कुआंASI ने शुरू की जांच

विपक्षी नेताओं को रोकने पर सियासत तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में ढहाई गई मस्जिद के नीचे मिले पुराने कुएं को लेकर सोमवार को जांच का सिलसिला शुरू हो गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की तीन अधिकारियों की टीम सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची और मौके पर मौजूद कुएं की जांच की। अधिकारियों ने कुएं के अंदर उतरकर उसकी स्थिति का जायजा लिया और फीता डालकर उसकी गहराई भी मापी। प्रारंभिक तौर पर एएसआई के एक अधिकारी ने कुएं के करीब 200 से 250 साल पुराना होने की संभावना जताई है। हालांकि, इसकी वास्तविक उम्र और ऐतिहासिक स्थिति के बारे में विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मस्जिद को ढहाए जाने के बाद रविवार सुबह जब मलबा हटाने का काम किया गया, तब उसके नीचे यह कुआं दिखाई दिया था। जानकारी के अनुसार कुआं करीब 20 फीट गहरा और लगभग डेढ़ मीटर चौड़ा है। प्रशासन ने फिलहाल कुएं को लोहे की चादर से ढक दिया है, ताकि मलबा या अन्य सामग्री उसके अंदर नहीं जाए। कुएं की उम्र को लेकर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद प्रशासन की ओर से एएसआई की टीम को जांच के लिए बुलाया गया।

मस्जिद की जगह को लेकर अलग-अलग दावे

कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद की जगह को लेकर भी अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया है कि इस स्थान पर पहले मंदिर रहा होगा और उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। उन्होंने मामले की जांच कराने की मांग की है। वहीं, मुस्लिम धर्मगुरुओं और मस्जिद पक्ष की ओर से मस्जिद को करीब 100 साल पुराना बताया जा रहा है। मस्जिद पक्ष का कहना है कि करीब 70 साल पुराने वक्फ दस्तावेजों में भी इसका उल्लेख मिलता है। ऐसे में कुएं की उम्र और स्थल का इतिहास सामने आने के बाद मामले से जुड़े दावों को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है। शनिवार को मस्जिद को हटाने की कार्रवाई के दौरान करीब 16 घंटे तक बुलडोजर चलाया गया था। कार्रवाई पूरी होने के बाद रविवार सुबह मलबा हटाने के दौरान जमीन के नीचे कुआं मिला। इसके बाद प्रशासन ने इसकी जांच कराने का निर्णय लिया। कुएं के सामने आने के बाद पूरे मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक चर्चा भी तेज हो गई है।

कुएं की जांच के साथ ही सहारनपुर जाने की कोशिश कर रहे विपक्षी नेताओं को रोके जाने को लेकर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सहारनपुर जा रहे समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान को मेरठ में हाउस अरेस्ट किया गया। बताया गया कि जैसे ही विधायक अपने घर से कार में सवार होकर निकलने लगे, पुलिस ने आगे जीप खड़ी कर रास्ता रोक दिया। इस दौरान अतुल प्रधान ने पुलिस से कहा कि उनके पास लाठी है तो वे चला सकते हैं, लेकिन वह सहारनपुर जरूर जाएंगे। वहीं समाजवादी पार्टी के विधायक आशु मलिक और सपा नेता शायान मसूद को भी रोके जाने की बात सामने आई है। विपक्षी नेताओं के सहारनपुर पहुंचने को लेकर लखनऊ में भी राजनीतिक हलचल देखने को मिली। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि विपक्षी प्रतिनिधिमंडल के लोग रास्ता बदलकर किसी तरह सहारनपुर पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई हुई, वे उनसे मिलने से इनकार कर रहे हैं। सपा सांसद हरेंद्र मलिक भी कमिश्नर कार्यालय पहुंचे, लेकिन उनके अनुसार वहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं मिला। मस्जिद स्थल पर फिलहाल सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ बैरिकेडिंग की गई है। अब एएसआई की जांच के निष्कर्ष और कुएं की वास्तविक उम्र सामने आने के बाद इस पूरे मामले में आगे की स्थिति महत्वपूर्ण होगी।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को कैंटर ने मारी टक्कर 12 की मौत, 19 से ज्यादा घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर रविवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराई और सड़क पर घिसटते हुए बीच एक्सप्रेस-वे पर पलट गई। भीषण हादसे में 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 पुरुष, 3 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। हादसे में 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हुए हैं। पिकअप में कुल 32 श्रद्धालु सवार बताए गए हैं। सभी राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से दर्शन कर बदायूं लौट रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद पिकअप में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार कैंटर ने पिकअप को टक्कर मारी। जोरदार टक्कर लगते ही पिकअप अनियंत्रित हो गई और पहले डिवाइडर से टकराई। इसके बाद वाहन काफी दूर तक सड़क पर घिसटता हुआ पलट गया। हादसे में कई लोगों को गंभीर चोटें आई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद मृतकों के शव करीब 30 मीटर दूर तक सड़क पर बिखर गए। रात के सन्नाटे में टक्कर और धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। एक्सप्रेस-वे पर क्षतिग्रस्त पिकअप और सड़क पर पड़े घायलों को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत-बचाव शुरू किया। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे पहुंचाया और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ। हादसे में घायल श्रद्धालुओं को बागपत और मेरठ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। मेरठ अस्पताल में भर्ती घायलों ने बताया कि हादसे के समय देर रात ज्यादातर श्रद्धालु आराम कर रहे थे। अचानक तेज टक्कर हुई और किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घायलों के मुताबिक, हादसा इतनी तेजी से हुआ कि किसी को समझ ही नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है। जब आंख खुली तो कई लोग खुद को सड़क पर घायल अवस्था में पड़े मिले। मृतक रामेश्वर यादव के रिश्तेदार विमलेश कुमार यादव ने बताया कि गांव के लोग एक साथ वाहन से राजस्थान गए थे और यात्रा पूरी करने के बाद वापस लौट रहे थे। सभी श्रद्धालु एक ही गांव के रहने वाले बताए गए हैं। हादसे की जानकारी गांव पहुंचते ही वहां शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने बताया कि गांव के लोग पिछले करीब 20 वर्षों से राजस्थान की यात्रा करते आ रहे हैं। इस बार की यात्रा के बाद लौटते समय हुए हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। पीड़ित परिवारों की मदद की मांग हादसे के बाद समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान भी पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग यादव परिवारों से हैं। उनके मुताबिक, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव और आदित्य यादव ने फोन पर हादसे की जानकारी ली।

विजय-त्रिशा की नजदीकी के बीच उदयनिधि की टिप्पणी पर बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तमिलनाडु। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को अपनी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को विधानसभा में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की अभिनेत्री त्रिशा को लेकर कथित डबल मीनिंग टिप्पणी को लेकर विवाद चल रहा है। इसी मामले में पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि से करीब 8 घंटे तक पूछताछ की थी।विधानसभा में कानून-व्यवस्था पर जोर मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि राज्य के विकास के लिए कानून-व्यवस्था का मजबूत होना बेहद जरूरी है। पुलिस की जिम्मेदारी केवल आरोपियों को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना और राज्य के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त की तरह है, जबकि कानून का उल्लंघन करने वालों के लिए पुलिस दुश्मन की भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री ने राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों को पुलिस के काम में हस्तक्षेप नहीं करने की भी बात कही। उनका कहना था कि पुलिस को अपना काम स्वतंत्र रूप से करने दिया जाना चाहिए। यह पूरा विवाद 3 अगस्त को तंजावुर में कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान शुरू हुआ था। प्रदर्शन के दौरान भीड़ में अभिनेत्री त्रिशा के नाम के नारे लगाए गए। आरोप है कि इसी दौरान उदयनिधि स्टालिन ने डबल मीनिंग टिप्पणी की। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनकी बात का संदर्भ कावेरी के पानी से था और उनका किसी महिला का अपमान करने का इरादा नहीं था। विवाद बढ़ने के बाद 4 अगस्त को पुलिस ने उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस ने उनसे करीब 8 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें उसी दिन रिहा कर दिया गया रिहाई के बाद उदयनिधि ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मस्जिद ढहाने के बाद मिला 20 फीट गहरा कुआं, उम्र जांचने पहुंचेंगे एएसआई विशेषज्ञ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू LPG उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए घरेलू गैस सिलेंडर की अगली बुकिंग के बीच का अंतर 45 दिन से घटाकर 25 दिन करने का निर्णय लिया है। यानी अब ग्रामीण उपभोक्ता पिछली बुकिंग के 25 दिन बाद अपना अगला घरेलू सिलेंडर बुक करा सकेंगे। पहले उन्हें अगली बुकिंग के लिए 45 दिन का इंतजार करना पड़ता था। बुकिंग की समय सीमा में 20 दिन की कमी किए जाने से नियमित रूप से LPG इस्तेमाल करने वाले परिवारों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, मार्च में ईरान-अमेरिका युद्ध शुरू होने के बाद गैस आपूर्ति प्रभावित होने से LPG की किल्लत की स्थिति बनी थी। इसके बाद मंत्रालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के बीच 45 दिन का अंतर निर्धारित किया गया था। इस व्यवस्था का उद्देश्य उपलब्ध गैस की आपूर्ति को व्यवस्थित करना और उस समय पैदा हुए दबाव को कम करना था। अब हालात में सुधार के बाद मंत्रालय ने इस व्यवस्था की दोबारा समीक्षा की है। LPG की आपूर्ति में सुधार होने और लंबित बुकिंग के बैकलॉग में कमी आने के बाद ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए भी बुकिंग अंतर को 25 दिन करने का फैसला लिया गया है।

तेल कंपनियों को जारी किए निर्देश

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तीनों प्रमुख तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार अब शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए घरेलू LPG सिलेंडर की अगली बुकिंग का अंतर 25 दिन निर्धारित किया गया है। शहरी क्षेत्रों में पहले से ही 25 दिन का अंतर लागू था। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवारों की घरेलू LPG खपत अपेक्षाकृत अधिक होती है। ऐसे परिवारों के लिए 45 दिन का अंतर परेशानी का कारण बन रहा था। अब बुकिंग अवधि घटने से उन्हें जरूरत के अनुसार समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। खासकर नियमित खाना पकाने के लिए LPG पर निर्भर परिवारों के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घरेलू LPG सिलेंडर की कीमत में सितंबर में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। राजस्थान में घरेलू उपयोग वाला सिलेंडर 945.50 रुपए में उपलब्ध है। वहीं जयपुर में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत सितंबर में 10 रुपए बढ़ाई गई है। नई दर के अनुसार यह सिलेंडर 2775 रुपए में मिल रहा है। इससे पहले इसकी कीमत 2765 रुपए थी। अगस्त में कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 192 रुपए और जुलाई में 183.50 रुपए की कमी की गई थी। सप्लाई

गड़बड़ाने से वैकल्पिक ईंधन की मांग बढ़ी राजस्थान में हाल के दिनों में गैस की सप्लाई प्रभावित होने की शिकायतों के बीच ग्रामीण और अन्य उपभोक्ताओं के बीच वैकल्पिक ईंधन की मांग भी बढ़ी है। व्यापारियों के अनुसार कोयले और लकड़ी के साथ इलेक्ट्रिक चूल्हों की मांग में अचानक इजाफा हुआ है। उनका कहना है कि पिछले दो दिनों में इलेक्ट्रिक चूल्हों की मांग करीब दोगुनी हो गई है। भारत गैस के सर्वर में तकनीकी समस्या के चलते घरेलू गैस की बुकिंग बंद होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। ऐसे में एक तरफ मंत्रालय ने ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए बुकिंग का अंतर घटाकर राहत दी है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर बुकिंग और आपूर्ति से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों को दूर करना भी उपभोक्ताओं के लिए जरूरी होगा। अब ग्रामीण उपभोक्ताओं को 45 दिन के लंबे इंतजार से राहत मिलने के साथ उम्मीद है कि गैस आपूर्ति व्यवस्था भी सामान्य रूप से चल सकेगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.